दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

असली आज़ादी

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik aslizadidainikofficial

■ वर्षः 22, अंकः 03 ■ दमण, शुक्रवार 18, सितंबर 2026 ■ पृष्ठः 8 ■ मूल्यः 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

पीएम मोदी के 76वें जन्मदिन पर संघ प्रदेश थ्रीडी में गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के विरुद्ध एक टीका अभियान

स्वस्थ और जागरूक बालिकाएं ही सशक्त समाज और उज्जवल भविष्य की आधारशिला हैंः प्रफुल पटेल

■ संघ प्रदेश प्रशासन का पात्र बालिकाओं के एचपीवी टीकाकरण में 100 प्रतिशत संतृप्ति का संकल्प ■ दमण और दादरा नगर हवेली के तीन विद्यालयों में विशेष शिविरों के माध्यम से 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जन्मदिन मनाया गयाः दीव, 100 प्रतिशत कवरेज हासिल करने वाला संघ प्रदेश का पहला जिला बना

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 17 सितंबर। जिस दिन देश प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिन मना रहा था, उसी दिन दमण और दादरा नगर हवेली के तीन विद्यालय परिसर में गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के विरुद्ध एक टीका अभियान चलाया गया। 142 किशोरी बालिकाओं ने उस टीके के लिए अपनी बांहें आगे बढ़ाईं, जो उन्हें भारतीय महिलाओं को सर्वाधिक प्रभावित करने वाले कैंसरों में से एक से बचा सकता है। यह विशेष एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमावायरस) टीकाकरण शिविर दमण के कचीगाम स्थित गौतम बुद्ध उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तथा दादरा नगर हवेली के झंडा चौक स्थित सीपीएस टोकरखाडा स्कूल और स्वामी विवेकानंद स्कूल में संघ प्रदेश के 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित किया गया। एक सेवा संकल्प, जो इस अवसर पर एक ऐसे टीके में परिणत हुआ जो दीर्घकालिक सुरक्षा प्रदान करता है। यह अभियान उन बालिकाओं को लक्षित करता है जो 14 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुकी हैं किंतु अभी 15 वर्ष की नहीं हुई हैं। यह वह अवधि है जिसमें एचपीवी टीका गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की रोकथाम में सबसे अधिक प्रभावी होता है। यह रोग भारतीय महिलाओं में कैंसर से होने वाली मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक बना हुआ है, जबकि अधिकांश मामलों में समय पर टीकाकरण के माध्यम से इसे रोका जा सकता है।

रोकथाम में निहित एक दृष्टिकोणः यह व्यापक जन स्वास्थ्य पहल माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी एवं ओजस्वी नेतृत्व से प्रेरित एवं परिकल्पित है। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल के सतत एवं समर्पित प्रयासों से पूर्ण उत्साह के साथ क्रियान्वित की जा रही है। राष्ट्रीय स्तर पर दृष्टि और जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन के इसी समन्वय ने एचपीवी टीकाकरण अभियान को कागज़ पर लिखे नीतिगत लक्ष्य से आगे बढ़ाकर अब तक संघ संघ प्रदेश भर में 2,704 बालिकाओं की भुजा तक पहुंचाया है।

बालिकाओं के बीच पहुंचे प्रशासक प्रफुल पटेलः संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव तथा लक्षद्वीप के प्रशासक प्रफुल पटेल स्वयं शिविर स्थल पर पहुंचे और मंच से केवल उद्घाटन करने के बजाय पात्र बालिकाओं तथा उनके अभिभावकों से रुककर बातचीत की। उन्होंने बालिकाओं की सराहना करते हुए इसे अपने स्वास्थ्य की सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया और जिन बालिकाओं की बारी अभी आनी बाकी है, उन्हें बिना किसी हिचकिचाहट के आगे आने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने इस पहल के क्रियान्वयन में शिक्षा और स्वास्थ्य विभागों के समन्वित प्रयासों की भी सराहना की। यह उन लोगों के बीच एक अनदेखा किंतु अत्यंत आवश्यक तालमेल है, जो जानते हैं कि बालिकाएं कहां हैं और उन लोगों के बीच जो उन्हें सुरक्षित रूप से टीका लगाने में सक्षम हैं। (समाचार का शेष पेज 2 पर)

स्वास्थ्य विभाग और भावना सेवा ट्रस्ट ने प्रदेश की महिलाओं के लिए कैंसर स्क्रिनिंग प्रदेश व्यापी अभियान का किया शुभारंभ

■ स्वास्थ्य विभाग और भावना सेवा ट्रस्ट ने 30 वर्ष और उससे अधिक आयु की प्रत्येक महिला के लिए निःशुल्क कैंसर (स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर और मुख कैंसर) एवं गैर-संचारी रोग (एनसीडी) जांच के लिए मिलाया हाथः पहले ही दिन दमण और सिलवासा में 233 लाभार्थियों की हुई जांच

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा/दमण 17 सितंबर। अधिकांश मामलों में समय रहते पहचाना गया कैंसर, ऐसा कैंसर होता है जिसे हराया जा सकता है। इसी सरल किंतु सशक्त सत्य को केंद्र में रखते हुए संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के स्वास्थ्य विभाग ने भावना सेवा ट्रस्ट के सहयोग से आज संघ संघ प्रदेश थ्रीडी में 30 वर्ष और उससे अधिक आयु की प्रत्येक महिला के लिए एक व्यापक कैंसर एवं स्वास्थ्य जांच अभियान का शुभारंभ किया। एक ऐसा अभियान जो बीमारी को उसके पैर जमाने के बाद नहीं, बल्कि उससे पहले ही पकड़ने के लिए बनाया गया है। यह पहल इस संघ प्रदेश द्वारा अब तक चलाए गए सबसे महत्वाकांक्षी सार्वजनिक स्वास्थ्य अभियानों में से एक है, जो जमीनी स्तर पर जनसंपर्क, डिजिटल रोगी ट्रैकिंग और अस्पताल-आधारित नैदानिक देखभाल को एक ही निर्बाध प्रक्रिया में पिरोकर महिला की दहलीज से लेकर निदान तक का मार्ग प्रशस्त करती है। इस अभियान का आज दमण और दादरा नगर हवेली में शुभारंभ हुआ। दमण में इस अभियान का औपचारिक शुभारंभ प्रशासक के सलाहकार अंकुर गर्ग ने दमण जिला पंचायत अध्यक्ष धरम पटेल और दमण नगरपालिका अध्यक्षा दीपिका टंडेल के साथ मिलकर किया। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया, महामंत्री जिग्नेश पटेल, दमण जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल, भाजपा नेता विशाल टंडेल सहित सरपंचों, जिला पंचायत सदस्यों, काउंसिलरों एवं पंचायत सदस्यों की उपस्थिति रही। शुभारंभ कार्यक्रम में पहले ही दिन 100 लाभार्थियों का पंजीकरण हुआ और इसमें जिला पंचायत सदस्यों, वॉर्ड काउंसिलरों, सरपंचों, शिक्षकों, स्वास्थ्यकर्मियों तथा आंगणवाड़ी कार्यकर्ताओं की व्यापक भागीदारी देखी गई। जो अभियान की पहली ही सुबह से समुदाय के स्वामित्व का स्पष्ट संकेत था। टीकाकरण अभियान के शुभारंभ अवसर पर प्रशासक के सलाहकार अंकुर गर्ग ने कहा कि आज का दिन संघ प्रदेश के लिए बहुत ही भाग्यशाली और अच्छा दिन है। साथ ही भावुक पल भी है। आज पूरे संघ प्रदेश में नमो अस्पताल सिलवासा और नमो अस्पताल मरवड में मेमोग्राफी स्क्रिनिंग, सर्वाइकल स्क्रिनिंग और ओरल कैंसर स्क्रिनिंग प्रदेश सभी महिलाओं के लिए 100 प्रतिशत स्क्रिनिंग की शुरूआत की है। इसके माध्यम से संघ प्रदेश प्रशासन की यह कोशिश रहेगी कि प्रदेश की सभी माताएं, (समाचाार का शेष पेज 2 पर)

उज्जैन में 33.27 लाख दीयों से जगमगाए शिप्रा तट, बना विश्व रिकॉर्ड

■प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर मुख्यमंत्री यादव व भाजपा अध्यक्ष नवीन ने जलाया 'आशीर्वाद का दीया'; मप्र में 3.55 करोड़ दीये प्रज्वलित

उज्जैन/इंदौर (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर उज्जैन के शिप्रा तट और महाकाल महालोक में गुरुवार शाम 33 लाख 27 हजार दीये एक साथ प्रज्वलित किए गए। आयोजकों के अनुसार, इतनी बड़ी संख्या में एक साथ दीप प्रज्वलन कर विश्व रिकॉर्ड बनाया गया। प्रदेशभर में 845 आइकॉनिक स्थानों सहित करीब 3 करोड़ 55 लाख दीये प्रज्वलित किए गए।

उज्जैन के रामघाट पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंघी ने उज्जैनवासियों के साथ 'आशीर्वाद का दीया' जलाकर सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ किया। शाम 7 बजे सायरन बजते ही शिप्रा के विभिन्न घाटों और महाकाल महालोक में एक साथ दीप प्रज्वलित किए गए।

:: 25 हजार से अधिक वॉलिंटियर्स ने जलाए दीये ::

शिप्रा तट पर 25 हजार से अधिक वॉलिंटियर्स के साथ श्रद्धालुओं और नागरिकों ने दीप प्रज्वलित किए। रामघाट, दत्त अखाड़ा, केदारेश्वर घाट, सुनहरी घाट और भूखी माता घाट सहित महाकाल महालोक में दीपों की रोशनी से पूरा क्षेत्र जगमगा उठा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल और प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंघी शिप्रा आरती में भी शामिल हुए। उन्होंने मां शिप्रा की आराधना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की।

:: 845 आइकॉनिक स्थानों पर दीप प्रज्वलन ::

सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रदेश के सभी जिलों में दीप प्रज्वलित किए गए। प्रदेश के 845 आइकॉनिक स्थानों को भी दीपों से सजाया गया। इनमें ग्वालियर, इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर-चंबल, मालवा-निमाड़ सहित प्रदेश के सभी संभागों के प्रमुख धार्मिक, ऐतिहासिक और पर्यटन स्थल शामिल रहे।

अभियान के तहत प्रदेशभर में कुल 3 करोड़ 55 लाख दीये प्रज्वलित किए जाने का दावा किया गया है।

दीव के 12 दिव्यांग छात्रों को समग्र शिक्षा विभाग द्वारा सहायक उपकरण बांटे गए

असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 17 सितंबर। शिक्षा में समान अवसर और समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में समग्र शिक्षा और शिक्षा विभाग, दीव द्वारा एक सराहनीय कदम उठाया गया है। विभाग के आई.डी. विंग के अंतर्गत सेवा संकल्प अभियान के तहत दीव जिले के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। 12 विद्यार्थियों को मिली नई उम्मीद और हौसलाइस विशेष कार्यक्रम के दौरान दीव जिले की विभिन्न सरकारी शालाओं के कुल 12 दिव्यांग छात्र-छात्राओं को उनकी शैक्षणिक आवश्यकताओं के अनुसार सहायक उपकरण वितरित किए गए। इन उपकरणों में स्क्रीन रीडिंग सॉफ़्टवेयर वाले स्मार्टफोन, शैक्षणिक सहायक सामग्री, दृष्टिबाधित छात्रों के लिए ब्रेल किट, शारीरिक रूप से दिव्यांग बच्चों के लिए एल्बो क्रचिस जैसी आधुनिक उपकरणों की मदद से दिव्यांग छात्रों को शिक्षा प्राप्त करने में आसानी होगी और वे पूरे आत्मविश्वास के साथ स्कूल की हर गतिविधि में भाग ले सकेंगे। इसका मुख्य उद्देश्य इन बच्चों को आत्मनिर्भर बनाना है। इस गरिमामयी कार्यक्रम में दीव के सीईओ/मामलतदार धर्मेश दमणिया, जिला शिक्षा अधिकारी आर. के. सिंह और बीआरसी दिव्येश जेठवा सहित समग्र शिक्षा का स्टाफ बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। इन सभी गणमान्य अतिथियों ने अपने हाथों से बच्चों को उपकरणों का वितरण किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही समग्र शिक्षा विभाग का पूरा स्टाफ भी इस मौके पर मौजूद रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में आई.डी. टीम की राधा रावल और हितेश चावड़ा सहित सभी सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जबकि कार्यक्रम का कुशल संचालन मानसिंह बामणिया द्वारा किया गया।

वणाकबारा समुद्र में नाव से गिरकर नाविक की मौत

■ रात में नाव से लापता होने के बाद सुबह मिली लाश, पुलिस जांच कर रही है

असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 17 सितंबर। दीव के वणाकबारा में समुद्र के बीच रात में अचानक नाव से गिरने से एक नाविक की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार गुजरात के गिर गढडा तालुका के जुडवडली गांव के रहने वाले नारणभाई छना खारा (उम्र 43 साल) जो नागवा इलाके की श्री गजानंद नामक फिशिंग बोट (रजिस्ट्रेशन नंबर डीडी-02-एमएम-1765) में नाविक का काम करते थे। रात में अचानक नाव से समुद्र में गिर गए। रात करीब 12 बजे जब नाव में मौजूद दूसरे नाविकों ने उन्हें नहीं देखा तो नारणभाई की तलाश शुरू की गई। रात में तलाश करने के बाद सुबह नारणभाई की लाश वणाकबारा इलाके में मिली। इसके बाद लाश को दीव के सरकारी अस्पताल लाया गया। जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव परिवार को सौंप दिया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और पूरे मामले में जरूरी कार्रवाई करते हुए आगे की जांच शुरू कर दी है।

चार मजदूरों को रौंदा, दो की मौत, दो गंभीर

गुरुग्राम(ईएमएस)। गुरुग्राम में द्वारका एक्सप्रेसवे पर गुरुवार तडक़े एक दर्दनाक सडक़ हादसा हो गया। ग्रिल लगाने का काम कर रहे चार मजदूर एक तेज रफ्तार कार की चपेट में आ गए। इस घटना में दो मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। गुरुग्राम पुलिस के अनुसार, यह हादसा सुबह करीब 2:30 बजे न्यू पालम विहार स्थित श्री राम चौक के पास हुआ। मजदूर एक्सप्रेसवे पर सुरक्षा ग्रिल स्थापित कर रहे थे, तभी एक अनियंत्रित कार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दो मजदूरों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है। घायल मजदूरों को तत्काल पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है और उनका उपचार जारी है। पुलिस ने क्षतिग्रस्त कार को कब्जे में ले लिया है। कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस अब चालक की तलाश कर रही है।

(पेज 1 का शेष समाचार)

स्वास्थ्य विभाग और भावना सेवा ट्रस्ट ने प्रदेश की महिलाओं के लिए कैंसर स्क्रिनिंग...

बहनें एवं बच्चियों को बिना प्रतिक्षा के स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर और मुख कैंसर की जांच करें। कैंसर एक खतरनाक बीमारी है, इसकी समय पर जांच करना हमारी प्रतिबद्धता रहेगी। उन्होंने बताया कि महिलाओं में जितने भी कैंसर होते हैं उसमें 26 प्रतिशत स्तन कैंसर होते हैं। यह एक ऐसा कैंसर है कि सही समय पर पता चलने पर इसका 100 प्रतिशत इलाज संभव है। यदि देर से पता चलता है तो बचने के चांस बहुत कम हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि हमारे माननीय प्रशासक महोदय की धर्मपत्नी को इसी ब्रेस्ट कैंसर से ही जून महीने में हमने खो दिया, उनका स्वर्गवास हो गया। प्रशासक प्रफुल पटेल के लिए यह अभियान केवल एक नीतिगत प्राथमिकता नहीं, बल्कि एक व्यक्तिगत विषय है। अपनी पत्नी को स्तन कैंसर से खोने के बाद, उन्होंने यह संकल्प व्यक्त किया है कि इस संघ संघ प्रदेश में अब किसी भी परिवार को विलंबित निदान की पीड़ा या मात्र इसलिए कि जांच सुविधा उपलब्ध नहीं थी, होने वाले अन्याय का सामना न करना पड़े। यह संकल्प अब एक सार्वजनिक प्रतिबद्धता में बदल चुका है। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में पात्र महिलाओं की 100 प्रतिशत जांच, जिसे धीरे-धीरे नहीं बल्कि तत्परता से प्राप्त किया जाएगा। यह अभियान माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की उस दृष्टि से प्रेरित है, जो एक स्वस्थ और अधिक आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना करती है। जहां निवारक देखभाल नागरिकों तक बीमारी के संकट में बदलने से बहुत पहले ही पहुंच जाए। यह दृष्टि संघ संघ प्रदेश में प्रशासक प्रफुल पटेल के नेतृत्व में दृढ़ अभिव्यक्ति पा चुकी है, जिनके सतत प्रयासों से डीएनएच एंड डीडी के स्वास्थ्य ढांचे को सुदृढ़ किया गया है और विशेषज्ञ, जीवनरक्षक जांच सुविधाएं छोटे से छोटे गांव और वार्ड तक की महिलाओं की पहुंच में लाई गई हैं। इसके साथ ही दादरा नगर हवेली में स्वास्थ्य सचिव अस्कर अली ने दादरा नगर हवेली जिला पंचायत अध्यक्ष निशा भावर और सिलवासा नगरपालिका अध्यक्ष सोमनाथ अधिकार देवरे के साथ मिलकर अभियान का शुभारंभ किया। जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, स्वास्थ्यकर्मियों और आंगणवाड़ी कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में सिलवासा में हुए इस शुभारंभ में 133 लाभार्थियों का पंजीकरण हुआ। जो दोनों जिलों में एक ही दिन में हुआ सबसे बड़ा पंजीकरण है और संघ प्रदेश में सुलभ जांच सुविधाओं की बढ़ती स्वीकार्यता का प्रारंभिक संकेत है। 17 सितंबर 2026 को शुरू हुए अभियान के पहले चरण में जनप्रतिनिधियों, स्वास्थ्यकर्मियों और आंगणवाड़ी कार्यकर्ताओं की जांच को प्राथमिकता दी गई है। वे महिलाएं जो प्रतिदिन अपने समुदाय की सेवा करती हैं और जो आगे चलकर, जैसे-जैसे यह अभियान संघ संघ प्रदेश की संपूर्ण पात्र महिला आबादी तक विस्तारित होगा, इसकी सबसे विश्वसनीय पैरोकार बनेंगी। इस अभियान का चिकित्सीय आधार पूर्णतः स्पष्ट है। स्तन कैंसर, जब प्रारंभिक व स्थानीयकृत अवस्था में पहचाना जाए, अर्थात स्तन से बाहर फैलने से पहले तो यह सबसे अधिक उपचार-योग्य कैंसरों में से एक है, जिसमें जीवित रहने की दर 90 प्रतिशत से अधिक होती है और सबसे प्रारंभिक अवस्थाओं में यह लगभग पूर्ण स्वस्थता के निकट पहुंच जाती है। नियमित जांच का उद्देश्य ठीक यही है। मैमोग्राफी किसी भी शारीरिक लक्षण के प्रकट होने से बहुत पहले ही स्तन ऊतक में होने वाले परिवर्तनों को उजागर कर सकती है। समय रहते पहचान न केवल जीवन बचाती है, बल्कि उस शारीरिक, भावनात्मक और आर्थिक बोझ से भी बचाती है जो कैंसर की उन्नत अवस्था का उपचार किसी परिवार पर डालता है। विश्व भर की स्वास्थ्य प्रणालियों में दोहराया गया यही प्रमाण, स्वास्थ्य विभाग के इस विश्वास का आधार है कि इस पैमाने का जांच अभियान कोई वैकल्पिक ढांचा नहीं, बल्कि एक नैतिक अनिवार्यता है।

प्रौद्योगिकी: दहलीज़ से निदान तक की रीढ़: इस अभियान को एक सामान्य स्वास्थ्य शिविर से अलग करने वाली बात इसके पीछे चुपचाप कार्यरत डिजिटल ढांचा है। सामुदायिक स्वास्थ्यकर्मी - आशा, एएनएम और सीएचओ - पात्र महिलाओं की पहचान करने, उन्हें मौके पर ही परामर्श देने, उनकी सहमति सुनिश्चित करने और उनकी अस्पताल यात्रा निर्धारित करने के लिए मौजूदा डीडीडी-पब्लिक हेल्थ मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म (पीएचएमपी) मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग करते हैं, यह सब कार्य क्षेत्र में ही होता है। यह डेटा एक लाइव एपीआई के माध्यम से तुरंत संघ प्रदेश भर के अस्पतालों द्वारा उपयोग किए जाने वाले भावना कैंसर केयर पोर्टल में पहुंच जाता है। जब तक महिला अपने जिला अस्पताल या मेडिकल कॉलेज पहुंचती है, तब तक उसका रिकॉर्ड सत्यापित हो चुका होता है और टोकन पहले से ही जनरेट हो चुका होता है - न कोई फॉर्म दोबारा भरना पड़ता है, न कतारों में समय नष्ट होता है। यह एक छोटी-सी तकनीकी व्यवस्था है, जिसका उद्देश्य बड़ा है: यह सुनिश्चित करना कि जब कोई महिला जांच कराने का निर्णय ले, तो व्यवस्था का कोई भी पहलू उसके रास्ते में बाधा न बने।

महत्वाकांक्षा के अनुरूप ढांचे का निर्माण: इस डिजिटल प्रक्रिया के पीछे नैदानिक क्षमता का वास्तविक विस्तार है। दो अत्याधुनिक मैमोग्राफी मशीनें अब कार्यरत हैं। एक दमण में और एक दादरा नगर हवेली में तथा निकट भविष्य में डीएनएच और दीव के लिए दो और इकाइयां प्रस्तावित हैं। अभियान के अंतर्गत आगे आने वाली प्रत्येक महिला की व्यापक, बहु-चरणीय जांच की जाती है। कद, वजन, कमर की परिधि, रक्तचाप और रक्त शर्करा का आधारभूत मूल्यांकन, प्रमुख गैर-संचारी रोगों और सामान्य दुर्दमताओं की लक्षित नैदानिक जांच, जिसमें विशेष रूप से मुख, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा (सर्विकल) कैंसर पर ध्यान केंद्रित किया गया है। नैदानिक स्तन परीक्षण, तथा आवश्यकता होने पर उसके बाद मैमोग्राफी, निर्धारित चिकित्सा प्रोटोकॉल के अनुसार गर्भाशय ग्रीवा पैप स्मीयर जांच, आहार, शारीरिक गतिविधि, तंबाकू से परहेज़ तथा दीर्घकालिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले अन्य परिवर्तनीय जोखिम कारकों पर निवारक परामर्श। प्रदेश की महिलाओं से अपील है कि स्वास्थ्य विभाग और भावना सेवा ट्रस्ट एक सीधी और हार्दिक अपील करते हैं। इस संघ संघ प्रदेश में 30 वर्ष और उससे अधिक आयु की प्रत्येक महिला का इस अभियान में हिस्सा है और स्थान भी। प्रमाण स्पष्ट है और उत्साहजनक भी, समय रहते पकड़े गए कैंसर और गैर-संचारी रोग, अधिकांश मामलों में, ऐसे रोग होते हैं जिनका सफलतापूर्वक उपचार किया जा सकता है। प्रायः उस पीड़ा के बिना जो विलंबित निदान लेकर आता है। मात्र कुछ घंटों की एक जांच अपॉइंटमेंट, समय पर उपचार और बहुत देर से मिलने वाले उस निदान के बीच का अंतर बन सकती है, जो फिर वही विकल्प नहीं दे पाता। महिलाओं को प्रोत्साहित किया जाता है कि वे अपनी स्थानीय आशा या एएनएम कार्यकर्ता से संपर्क करें, जो परामर्श दे सकती हैं और दमण या सिलवासा स्थित नामो अस्पताल में निःशुल्क जांच के लिए अपॉइंटमेंट तय करने में सहायता कर सकती हैं। किसी भी महिला को कैंसर का सामना अकेले नहीं करना चाहिए, और दादरा नगर हवेली और दमण-दीव में किसी भी परिवार को यह लड़ाई बहुत देर से नहीं लड़नी चाहिए। साथ मिलकर - नागरिक, सामुदायिक कार्यकर्ता और प्रशासन - यह संघ संघ प्रदेश कैंसर के विरुद्ध अपनी महिलाओं के लिए देश के किसी भी हिस्से से बढ़कर एक सुदृढ़ सुरक्षा कवच खड़ा कर सकता है।

दीव जिला शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बुचरवाड़ा में स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर अभियान के तहत शपथ समारोह

असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 17 सितंबर। स्वच्छता ही सेवा अभियान एवं स्वच्छ सागर, सुरक्षित सागर अभियान के अंतर्गत दीव जिले की शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बुचरवाड़ा में विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए विशेष शपथ समारोह का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रभारी मुख्य शिक्षिका मीता परमार की उपस्थिति में विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक मनीष स्मार्ट ने समस्त विद्यार्थियों, शिक्षकगण एवं कर्मचारीगण ने समुद्र तटों को स्वच्छ रखने और समुद्री पर्यावरण को सुरक्षित रखने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक मनीष स्मार्ट ने कहा कि हमारा दीव एक तटीय क्षेत्र है और हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने समुद्र को कचरा-मुक्त रखें। समुद्र स्वच्छ होगा तभी हमारा भविष्य सुरक्षित होगा। विद्यार्थियों ने भी बढ़-चढ़कर इस अभियान में भाग लेने का संकल्प लिया।

(पेज 1 का शेष समाचार)

स्वस्थ और जागरूक बालिकाएं ही सशक्त समाज और उज्जवल भविष्य...

संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव की वर्तमान स्थिति: 17 सितंबर 2026 को प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार तीनों जिलों की स्थिति यह दर्शाती है कि यह अभियान असमान गति से आगे बढ़ रहा है। जहां शुरुआत सबसे मजबूत रही, वहां यह सबसे तेज गति से आगे बढ़ा है और जहां पात्र जनसंख्या सबसे अधिक है, वहां यह अब भी ऊपर चढ़ रहा है।

दीव जिला पहले ही अपना लक्ष्य पार कर चुका है। 305 के लक्ष्य के मुकाबले 323 बालिकाओं का टीकाकरण किया जा चुका है, जिससे यह जिला 100 प्रतिशत कवरेज तक पहुंच गया है और कोई भी मामला शेष नहीं है। अब शेष संघ संघ प्रदेश को इसी मानक पर परखा जाएगा। दमण इससे बहुत पीछे नहीं है, जहां 1,306 के लक्ष्य में से 1,118 बालिकाओं का टीकाकरण हो चुका है, शेष 188 बालिकाओं को 23 सितंबर 2026 तक कवर किए जाने की संभावना है। संघ प्रदेश की सबसे बड़ी पात्र जनसंख्या वाले दादरा नगर हवेली में अब तक 4,357 के लक्ष्य में से 1,263 बालिकाओं का टीकाकरण किया जा चुका है, जबकि शेष 3,094 बालिकाओं को 2 अक्टूबर 2026 गांधी जयंती तक पूर्ण कवरेज के लक्ष्य के साथ शामिल किया जाना है, यह तिथि जानबूझकर चुनी गई है ताकि अभियान के अंतिम चरण को राष्ट्रीय महत्व का भाव मिल सके। संपूर्ण संघ संघ प्रदेश में अब तक 5,968 पात्र बालिकाओं में से 2,704 का टीकाकरण किया जा चुका है, जो भारत सरकार से प्राप्त 7,000 एचपीवी टीका खुराकों में से उपलब्ध कराया गया है। यह अतिरिक्त भंडार इसलिए रखा गया है ताकि किसी भी पात्र बालिका को टीके की कमी के कारण वापस न लौटना पड़े।

समन्वय पर आधारित एक अभियान: संघ प्रदेश व्यापी एचपीवी टीकाकरण अभियान 1 मार्च 2026 को शुरू हुआ था और तब से निरंतर जारी है, जो तीनों जिलों के विद्यालयों में निर्धारित 14 से 15 वर्ष की आयु वर्ग की बालिकाओं को कवर करता है। इसकी कार्यप्रणाली एक सरल कार्य-विभाजन पर आधारित है। शिक्षा विभाग अपने-अपने विद्यालयों में पात्र बालिकाओं की पहचान कर उन तक पहुंचता है, जबकि स्वास्थ्य विभाग की टीमें वास्तविक टीकाकरण के साथ-साथ उसके बाद की निगरानी और सुरक्षा जांच की जिम्मेदारी निभाती हैं। गुरुवार के शिविरों में दोनों विभागों ने एक ही स्थान पर मिलकर कार्य किया। एक विभाग बालिकाओं और अभिभावकों को टीके के महत्व और कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी दे रहा था, जबकि दूसरा टीका लगा रहा था। शिक्षा निदेशालय ने अपने लक्ष्य को स्पष्ट एवं निरपेक्ष शब्दों में परिभाषित किया है। संघ प्रदेश के किसी भी विद्यालय में अध्ययनरत कोई भी पात्र बालिका टीकाकरण कार्यक्रम की पहुंच से वंचित नहीं रहनी चाहिए, चाहे वह तीनों में से किसी भी जिले की निवासी क्यों न हो।**सुरक्षा के संकल्प से मनाया गया जन्मदिवस:** इस शिविर का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के दिन आयोजित होना महज़ एक संयोग नहीं था। अधिकारियों ने इस दिन के टीकाकरण को इस अवसर को मनाने का एक सुनियोजित तरीका बताया। न केवल समारोह के माध्यम से, बल्कि संघ संघ प्रदेश की बेटियों के स्वास्थ्य, सुरक्षा और भविष्य के प्रति एक ठोस प्रतिबद्धता के माध्यम से। इस कार्यक्रम में दमण जिले के निर्वाचित जनप्रतिनिधि, प्रशासक के सलाहकार, शिक्षा सचिव तथा संघ प्रदेश प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे, जो इस अभियान के प्रति प्रशासन की गंभीरता को रेखांकित करता है। एक ऐसे संघ प्रदेश के लिए, जो अपने समग्र लक्ष्य के आधे से अधिक को पार कर चुका है और जिसका एक जिला पहले ही 100 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। गुरुवार के शिविरों का संदेश समारोह से अधिक आंकड़ों का था। 2,704 बालिकाएं सुरक्षित हो चुकी हैं, 3,264 अभी शेष हैं और दो निश्चित तिथियां 23 सितंबर और 2 अक्टूबर जिनके भीतर प्रशासन ने इस अंतर को पाटने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सेमीकॉन इंडिया 2026 का उद्घाटन किया

■ प्रधानमंत्री ने कहा, भारत का सेमीकंडक्टर पारितंत्र तेजी से विस्तारित हो रहा है; नवाचार, निवेश और विकास के नए अवसर खोल रहा है ■ भारतीय अर्थव्यवस्था बढ़ रही है; दुनिया का भारत पर भरोसा भी बढ़ रहा है: प्रधानमंत्री ■ भारत में अनुसंधानरत युवा प्रतिभाओं को आगे आना चाहिए; विदेशों में अनुसंधान कर रहे युवाओं को भी भारत में उन्नत प्रौद्योगिकियों के विकास में शामिल होना चाहिए: प्रधानमंत्री ■ प्रधानमंत्री ने औद्योगिक नेताओं से देश में अनुसंधान एवं विकास बढाने का आह्वान किया, कहा-यह पारस्परिक रूप से लाभकारी, उद्योग को गति देगा और देश के युवाओं को सशक्त बनाएगा ■ प्रधानमंत्री ने कहा, विश्व नए और भरोसेमंद विनिर्माण केंद्रों की तलाश में, आवश्यकता पूरी करने के लिए भारत की निरंतर तैयारी ■ प्रधानमंत्री ने कहा, भारत सेमीकंडक्टर उद्योग के पसंदीदा गंतव्य स्थल बनने के लिए हर आवश्यक कदम उठा रहा है

पीआईबी नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली में सेमीकॉन इंडिया 2026 का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में उन्होंने आयोजन के पांचवें संस्करण के महत्व का उल्लेख करते हुए सभी प्रतिभागियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। श्री मोदी ने शिखर सम्मेलन में भाग लेने भारत आए अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, वे विदेश से भारत आए सभी अतिथियों का विशेष स्वागत करते हैं।

प्रधानमंत्री ने सेमीकॉन इंडिया के आरंभ और विश्वकर्मा दिवस के बीच सशक्त समानता दर्शाते हुए देश की सदियों पुरानी निर्माण और सृजन की विरासत के प्रति सम्मान प्रकट किया। उन्होंने पारंपरिक सृजनात्मक शक्ति और 21वीं सदी की प्रौद्योगिकी एवं भविष्यदृष्टि संगम के सुखद संयोग का ध्यान दिलाया है। श्री मोदी ने कहा कि यही आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लिए हमारी प्रेरणा है।

प्रधानमंत्री ने पिछले 15 दिनों में देश में हुई तीव्र प्रगति की चर्चा करते हुए, कई प्रमुख उपलब्धियों का उल्लेख किया। इनमें ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में समावेशी वित्त पर चर्चा, तीन हजार किलोमीटर समर्पित माल ढुलाई गलियारे का संचालन और 7 दशमलव आठ प्रतिशत की मजबूत तिमाही सकल विकास दर वृद्धि शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने हाल में एक जापानी क्रेडिट रेटिंग एजेंसी द्वारा संप्रभु रेटिंग में उन्नयन को देश की बढ़ती आर्थिक विश्वसनीयता का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि इससे स्पष्ट है कि एक ओर भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, और दूसरी ओर भारत पर दुनिया का भरोसा भी बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने भारत में हाल में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की कूटनीतिक सफलता का उल्लेख करते हुए नई दिल्ली घोषणापत्र ब्यौरा दिया। उन्होंने मोहाली और सूरत में दो नए संयंत्रों में वाणिज्यिक उत्पादन आरंभ होने के साथ ही वैश्विक ग्राहकों तक चिप्स पहुंचने की उपलब्धि पर हर्ष जताया। श्री मोदी ने कहा कि भारत के संयंत्रों में विनिर्मित चिप्स देश और दुनिया भर के ग्राहकों तक पहुंचने लगे हैं।

सेमीकंडक्टर पारितंत्र स्थापना की अपार जटिलता की चर्चा करते हुए, प्रधानमंत्री ने रिकॉर्ड समय में चिप डिजाइन, उपकरण निर्माण और परीक्षण क्षमताओं में महारत हासिल करने के सहयोगात्मक प्रयासों की सराहना की। श्री मोदी ने वर्तमान औद्योगिक नेताओं को आधार स्तंभ बताया, जिनकी श्री मोदी ने कहा कि भारत सरकार सेमीकंडक्टर परियोजनाओं की सफलता के लिए हर आवश्यक कदम उठा रही है।

घरेलू आपूर्ति श्रृंखला मजबूत बनाने के विचार का विस्तार से वर्णन करते हुए, प्रधानमंत्री ने फैबलेस कंपनियों (सेमीकंडक्टर चिप कंपनियां जो माइक्रोचिप और हार्डवेयर का डिज़ाइन और मार्केटिंग करती हैं और चिप का पूरा नक्शा और लॉजिक तैयार कर उसे वास्तविक निर्माण के लिए किसी तीसरी पार्टी को सौंप देती हैं) को बढ़ावा देने, बौद्धिक संपदा सृजित करने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता सक्षम बनाने वाले बुनियादी ढांचे में सिलिकॉन फोटोनिक्स (आधुनिक और उन्नत तकनीक जिसमें डेटा ट्रांसफर के लिए इलेक्ट्रॉन्स के बजाय फोटॉन्स का उपयोग होता है) को समेकित करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने उपकरण, रसायन, गैस और सामग्री उत्पादन क्षेत्र के औद्योगिक नेताओं से बारह स्वीकृत परियोजनाओं और बढ़ती मांग से उत्पन्न अवसरों का लाभ उठाने को कहा। श्री मोदी ने कहा कि हम चाहते हैं कि संपूर्ण पारितंत्र एक साथ विकसित हो।

भारत के जनसांख्यिकीय लाभ की चर्चा करते हुए, प्रधानमंत्री ने इंजीनियरिंग प्रतिभाओं के विशाल भंडार और चिप डिजाइनिंग के लिए विशेष व्यापक कौशल विकास पहल का जिक्र किया। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा विशेष रूप से डिजाइन की गई चिप्स का गौरव के साथ उल्लेख किया और एक लाख इंजीनियरिंग छात्रों को प्रशिक्षित करने की सरकार की महत्वाकांक्षी दोहरायी, जिनमें से 70 हजार पहले ही प्रशिक्षित किए गए हैं। श्री मोदी ने कहा कि विपुल प्रतिभा भंडार, सेमीकंडक्टर विनिर्माण कंपनियों के लिए सोने की खान से कम नहीं है।

प्रधानमंत्री ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान में लगे प्रतिभाशाली व्यक्तियों का आ''ान करते हुए युवा प्रतिभाओं से देश में उन्नत प्रौद्योगिकियों के विकास में सक्रियता से शामिल होने को कहा। उन्होंने औद्योगिक नेताओं से स्थानीय अनुसंधान और विकास आगे बढाने की चुनौती दी, जिससे व्यवसाय और देश के युवाओं दोनों का पारस्परिक विकास हो सके। श्री मोदी ने बल देकर कहा कि इससे उद्योग लाभान्वित होंगे और भारत की युवा शक्ति को भी इससे मजबूती मिलेगी।

सेमीकंडक्टर बाजार की बढ़ती जटिलताओं का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता की बढ़ती मांग ट्रांजिस्टर के केवल आकार से हटकर समग्र प्रणाली एकीकरण पर केंद्रित हो रही है, जिसमें मेमोरी प्लेसमेंट और हीट मैनेजमेंट भी शामिल हैं। उन्होंने देश को इन नई वैश्विक विनिर्माण चुनौतियों के लिए विश्वसनीय और निरंतर नवीनीकृत गंतव्य के रूप में प्रस्तुत किया। श्री मोदी ने कहा कि भारत इसके लिए अपने को निरंतर तैयार कर रहा है।

उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग के लिए ऊर्जा सुरक्षा के महत्वपूर्ण मुद्दे की चर्चा करते हुए, प्रधानमंत्री ने एआई डेटा केंद्रों की प्रचुर बिजली आवश्यकताओं और विनिर्माण संयंत्रों के लिए निर्बाध बिजली आवश्यकता रेखांकित की। उन्होंने सौर ऊर्जा क्षमता में 160 गीगावाट से अधिक की बढोत्तरी, निजी कंपनियों के लिए परमाणु ऊर्जा क्षेत्र खोलने और छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों के विकास सहित विद्युत उत्पादन में देश के तीव्र विस्तार की जानकारी दी। श्री मोदी ने कहा कि इसलिए, भारत आज विद्युत क्षेत्र में भी भारी निवेश कर रहा है।

विद्युत अवसंरचना के तेजी से विस्तार को औद्योगिक तैयारी से जोड़ते हुए, प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि यह ऊर्जा सुरक्षा सेमीकंडक्टर पारितंत्र के लिए एक बुनियादी शक्ति का काम करती है। उन्होंने हितधारकों को आश्वस्त किया कि प्रशासन औद्योगिक विकास के अनुकूल परिस्थिति निर्माण के लिए पूर्णतया प्रतिबद्ध है। श्री मोदी ने कहा कि भारत सेमीकंडक्टर उद्योग का पसंदीदा गंतव्य बनने के लिए हर संभव कदम उठा रहा है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन का समापन करते हुए देश की लोकतांत्रिक भावना के संदर्भ में तकनीकी प्रगति का उल्लेख किया और उपस्थित लोगों को भारतीय संविधान के 75 वर्ष की विरासत का स्मरण कराया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की जननी भारत में एक सफल महत्वपूर्ण उद्योग संपूर्ण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को सुदृढ़ करता है और आगे असीम अवसरों के लाभ का हार्दिक निमंत्रण देता है। श्री मोदी ने कहा कि सम्मेलन में भाग ले रहे प्रतिनिधियों से कहा कि भारत की आकांक्षाएं उनके समक्ष हैं और भारत में सृजित हो रहे नए अवसर उनके स्वागत करने के लिए तैयार हैं।

बुचारवाड़ा के सर्वोदय आवास योजना में दीप प्रज्जवलित मनाया गया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन

असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, दीव, 17 सितंबर। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर बुचारवाड़ा स्थित सर्वोदय आवास योजना परिसर में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस उत्सव के दौरान स्थानीय निवासियों और कार्यकर्ताओं ने परिसर में एकत्रित होकर सामूहिक रूप से मिट्टी के दीये प्रज्वलित किए। पूरा क्षेत्र दीयों की रोशनी से जगमगा उठा और लोगों ने प्रधानमंत्री के दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना की। इस सेवा और समर्पण से जुड़े कार्यक्रम में स्थानीय नेताओं ने पीएम मोदी के जन-कल्याणकारी कार्यों और आवास योजनाओं के महत्व पर प्रकाश डाला। उपस्थित नागरिकों ने देश के विकास में अपना योगदान देने का संकल्प लेते हुए उत्साहपूर्वक इस उत्सव में भाग लिया।

दुर्गा पूजा से पहले कोलकाता की फ्लाइटें महंगी, किराया 71 प्रतिशत तक बढ़ा

कोलकाता (ईएमएस)। दुर्गा पूजा के दौरान कोलकाता जाने की तैयारी कर रहे यात्रियों की जेब पर इस बार हवाई किराए का बड़ा असर पड़ सकता है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 16 अक्टूबर 2026 को कोलकाता आने वाली उड़ानों के टिकट सामान्य दिनों की तुलना में करीब 71 प्रतिशत तक महंगे हो गए हैं। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से दुर्गा पूजा के दौरान बढ़ी यात्रा मांग और सीमित सीटों के कारण बताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, विमानन कंपनियों में किराया मांग और सीटों की उपलब्धता के आधार पर लगातार बदलता रहता है। जैसे-जैसे उड़ान की तारीख नजदीक आती है और विमान में सीटें कम होती जाती हैं, टिकट की कीमत बढ़ने लगती है। 16 अक्टूबर की तारीख दुर्गा पूजा के प्रमुख कार्यक्रमों से ठीक पहले पड़ रही है, इसलिए कोलकाता आने वाली उड़ानों पर इसका खास असर दिखाई दे रहा है। अक्टूबर वैसे भी भारत में त्योहारों के कारण हवाई यात्रा के लिए व्यस्त महीना रहता है, लेकिन दुर्गा पूजा के चलते कोलकाता के लिए मांग और बढ़ जाती है। रिपोर्ट में बताया गया है कि किराए में सबसे ज्यादा उछाल उन शहरों से आने वाली उड़ानों में देखा जा रहा है, जहां विकल्प के तौर पर उड़ानों की संख्या कम है। यात्रियों के लिए सलाह है कि अगर दुर्गा पूजा के दौरान कोलकाता जाना है तो टिकट बुकिंग में देरी न करें। अंतिम समय पर सीटों की उपलब्धता घटने के साथ किराए में और बढ़ोतरी हो सकती है।

जेनेसिस को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी में विराजे विघ्नहर्ता, भक्तिमय हुआ माहौल

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 17 सितंबर। जेनेसिस को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी में हर वर्ष की तहर इस वर्ष भी गणेश चतुर्थी का त्यौहार बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। सोसायटी मैं बप्पा का स्वागत किया और उन्हें पंडाल में स्थापित किया। गणपति उत्सव के दौरान हर दिन बप्पा का सुबह-शाम विशेष पूजा एवं आरती का आयोजन किया जा रहा है। सभी निवासी पूरी श्रद्धा के साथ दर्शन के लिए आ रहे हैं और बप्पा का आशीर्वाद ले रहे है।

टाटा संस में चेयरमैन पद को लेकर फिर बढ़ा विवाद, नोएल टाटा चंद्रशेखरन के कार्यकाल को चुनौती दे सकते हैं

नई दिल्ली (ईएमएस)। टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में चेयरमैन पद को लेकर एक बार फिर विवाद सामने आया है। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा, एन. चंद्रशेखरन को टाटा संस के कार्यकारी चेयरमैन के तौर पर पांच साल का नया कार्यकाल देने के बोर्ड के फैसले को चुनौती दे सकते हैं। यह जानकारी रॉयटर्स की रिपोर्ट के हवाले से सामने आई है।

17 सितंबर 2026 को टाटा संस के बोर्ड ने चंद्रशेखरन को पांच साल के एक और कार्यकाल के लिए फिर नियुक्त किया। यह फैसला इसलिए भी अहम है क्योंकि इससे पहले चंद्रशेखरन ने फरवरी 2027 में मौजूदा कार्यकाल समाप्त होने के बाद दोबारा पद संभालने से इनकार किया था। बाद में बोर्ड के आग्रह पर उन्होंने अपना रुख बदला। रिपोर्ट के मुताबिक, नोएल टाटा ने इस फैसले का विरोध किया है। टाटा ट्रस्ट्स के पास टाटा संस में करीब 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है। ट्रस्ट्स की ओर से यह तर्क दिया गया है कि कुछ महत्वपूर्ण फैसलों के लिए उसके बोर्ड प्रतिनिधियों की सहमति जरूरी है।

इसी बैठक में टाटा संस ने संभावित सार्वजनिक सूचीबद्धता यानी आईपीओ पर भी आगे बढ़ने के संकेत दिए हैं। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब भारतीय रिजर्व बैंक ने टाटा संस को सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध करने से बचने के अनुरोध को स्वीकार नहीं किया है। अब चंद्रशेखरन की पुनर्नियुक्ति और कंपनी की संभावित लिस्टिंग को लेकर टाटा ट्रस्ट्स और टाटा संस के बीच मतभेद आगे किस रूप में सामने आते हैं, इस पर नजर रहेगी।

UT Administration of Dadra Nagar Haveli and Daman & Diu

Community Health Centre Ghoghla, Diu

Tender for Supply Injection, Drops, Syps, Ointments & Surgica For CHC Ghoghla - Diu

Notice No.: 3-3-Tender/Medicine/Inj-Surgical/CHC/2026-27/223
chc-diu-dd@ddd.gov.in
Notice Date : 10/09/2026
Tender Opening Date : 28/09/2026 (4:00 PM)
For details please scan
Venue : CHC Ghoghla - Diu

CHC Ghoghla - Diu,
NO: IP/DMN/2/5/2026-27/500 DATE:- 17/09/2026

UT Administration of Dadra Nagar Haveli and Daman & Diu

Community Health Centre Ghoghla, Diu

Tender for Supply of laboratory material and reagents For CHC Ghoghla - Diu

Notice No.: 1-6/accts/lab.material /2026-27/ 325
chc-diu-dd@ddd.gov.in
Notice Date : 11/09/2026
Tender Opening Date : 28/09/2026 (4:00 PM)
For details please scan
Venue : CHC Ghoghla - Diu.

CHC Ghoghla - Diu,
NO: IP/DMN/2/5/2026-27/498 DATE:- 17/09/2026

UT Administration of Dadra Nagar Haveli and Daman & Diu

Community Health Centre Ghoghla, Diu

Tender for Supply of Tablets and Capsules For CHC Ghoghla - Diu

Notice No.: 3-3-Tender /Medicine/Tab-Cap/CHC/2026-27/324
chc-diu-dd@ddd.gov.in
Notice Date : 10/09/2026
Tender Opening Date : 28/09/2026 (4:00 PM)
For details please scan
Venue : CHC Ghoghla - Diu

CHC Ghoghla - Diu,
NO: IP/DMN/2/5/2026-27/499 DATE:- 17/09/2026

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM ARVINDBHAI VITHTHALBHAI PATEL **TO ARVIND VITAL**
ADDRESS: - FLAT NO. 1082/1, KAMLI FALIA, NANI VANKAD, BHIMPORE, NANI DAMAN-396210

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM KAVITABEN ARVINDBHAI PATEL **TO KAVITA ARVIND**
ADDRESS: - FLAT NO. 1082/1, KAMLI FALIA, NANI VANKAD, BHIMPORE, NANI DAMAN-396210

मोदी को 'धमकाना' ट्रंप को पड़ा भारी! रूसी तेल पर अमेरिका के नए दांव का भारत ने दिया करारा जवाब

नीरज कुमार दुबे

हम आपको बता दें कि जिस विधेयक को अमेरिकी कांग्रेस में पहली बार अप्रैल 2025 में पेश किया गया था, वह करीब डेढ़ साल तक अमेरिकी राजनीति और ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकताओं के बीच अटका रहा। लेकिन इस महीने यानि सितंबर 2026 में तस्वीर अचानक बदल गई।

कहने को तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नरेंद्र मोदी को अपना अच्छा दोस्त कहते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि शायद वह मोदी को अब तक अच्छे से जान ही नहीं पाए हैं। देखा जाये तो जो लोग नरेंद्र मोदी को जानते नहीं, वह अक्सर धमकियों, प्रतिबंधों और आर्थिक दबाव के सहारे उन्हें झुकाने का सपना देखते हैं। लेकिन मोदी का संकल्प साफ है कि भारत के हितों से समझौता नहीं होगा और देश को किसी विदेशी दबाव के आगे झुकने नहीं देना है। उनके हर फैसले में यही दृढ़ता दिखाई देती है। दूसरी ओर, ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरूआत से ही भारत पर दबाव बनाने के लिए शुल्क, व्यापारिक दबाव और रूस से तेल खरीद बंद कराने जैसी तमाम कोशिशें कीं, लेकिन नई दिल्ली ने हर बार अपने राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च रखा। अब अमेरिका एक बार फिर टैरिफ रूपी आर्थिक हथियार लेकर मैदान में उतरा है, लेकिन मोदी सरकार ने भी बिना देर किए वाशिंगटन को साफ संदेश दे दिया है कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक हित किसी विदेशी दबाव की कीमत पर तय नहीं होंगे।

हम आपको बता दें कि जिस विधेयक को अमेरिकी कांग्रेस में पहली बार अप्रैल 2025 में पेश किया गया था, वह करीब डेढ़ साल तक अमेरिकी राजनीति और ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकताओं के बीच अटका रहा। लेकिन इस महीने यानि सितंबर 2026 में तस्वीर अचानक बदल गई। भारत में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ सक्रिय कूटनीतिक भागीदारी के कुछ ही दिनों बाद अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने रूस और ईरान पर नए प्रतिबंधों वाला विधेयक पारित कर दिया। घटनाक्रम का समय भले ही संयोग हो, लेकिन संदेश बेहद स्पष्ट है कि वाशिंगटन रूस से जुड़े देशों पर आर्थिक दबाव बढ़ाने के लिए अब शुल्क को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने को तैयार है।

लेकिन भारत ने भी अमेरिका को उसी क्षण जवाब दे दिया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने दो टूक कहा कि भारत अपने 140 करोड़ नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत बदलती बाजार परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग स्रोतों से ऊर्जा खरीदता रहेगा। इतना ही नहीं, नई दिल्ली ने अमेरिका को याद दिलाया कि इस कदम के भारत-अमेरिका संबंधों के साथ-साथ पूरे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों के बारे में अमेरिकी पक्ष को पहले ही उच्च स्तर पर स्पष्ट रूप से बताया जा चुका है। इसके साथ ही विदेश मंत्रालय ने महत्वपूर्ण संदेश देते हुए कहा कि भारत अपने व्यापार और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा। यानी अमेरिका शुल्क की धमकी दे सकता है, लेकिन भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा की कीमत पर किसी विदेशी दबाव के आगे झुकने के लिए तैयार नहीं है।

दरअसल, जिस विधेयक को अब ह्यलिंडसे ओ. ग्राहम रूस और ईरान प्रतिबंध अधिनियम 2026ह्ल कहा जा रहा है, उसकी कहानी डेढ़ साल पुरानी है। अप्रैल 2025 में लिंडसे ग्राहम और रिचर्ड ब्लूमेंथल ने रूस के खिलाफ कड़े प्राथमिक और द्वितीयक प्रतिबंधों की पहल की थी। इसके बाद लंबे समय तक इसे कांग्रेस और प्रशासन के बीच समर्थन जुटाने की प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। जुलाई 2026 में व्हाइट हाउस से सहमति बनने के बाद इसकी राह खुली। अगस्त में सीनेट ने इसे 86 के मुकाबले 11 मतों से पारित किया और 16 सितंबर को प्रतिनिधि सभा ने 262 के मुकाबले 159 मतों से इसे मंजूरी दे दी।

यह विधेयक अमेरिकी राष्ट्रपति को रूस के तेल और गैस के सबसे बड़े खरीदारों पर सौ प्रतिशत तक शुल्क लगाने का अधिकार देता है। भारत और चीन इसके निशाने पर हैं। इसके पीछे अमेरिकी रणनीति रूस की ऊर्जा आय को चोट पहुंचाने की है, ताकि यूक्रेन युद्ध के लिए मास्को को मिलने वाले आर्थिक संसाधनों पर दबाव बनाया जा सके। विधेयक में रूस के ऊर्जा और रक्षा क्षेत्रों के साथ-साथ प्रतिबंधों से बचने वाले उसके जहाजी बेड़े पर भी शिकंजा कसने का प्रावधान है। लेकिन अमेरिका शायद यह भूल रहा है कि भारत रूस से तेल किसी राजनीतिक एहसान के लिए नहीं खरीद रहा।

भारत की जरूरत है सस्ती, विश्वसनीय और लगातार उपलब्ध ऊर्जा। 2022 में रूस भारत के लिए कोई बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता नहीं था। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद यूरोप द्वारा रूसी तेल पर प्रतिबंध लगाए जाने से रूस का कच्चा तेल भारी छूट पर उपलब्ध हुआ और भारत ने अपने आर्थिक हित में इसे खरीदना शुरू किया। इसके बाद रूस भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बन गया। वित्त वर्ष 2026 में भारत के कुल कच्चे तेल आयात में रूसी हिस्सेदारी 30.3 प्रतिशत रही और करीब 134.7 अरब डॉलर के कुल आयात में रूस से आने वाले तेल की कीमत 40.8 अरब डॉलर रही। जुलाई 2026 में तो भारत के आयातित तेल में रूसी हिस्सेदारी आधे से भी ज्यादा पहुंच गई।

इसके अलावा, आज वैश्विक परिस्थितियों को देखें तो वह भी सामान्य नहीं हैं। पश्चिम एशिया में युद्ध और आपूर्ति संकट ने तेल बाजार को बुरी तरह प्रभावित किया है। होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधाएं हैं और वैकल्पिक आपूर्ति स्रोत भी दबाव में हैं। भारत 40 से अधिक देशों से कच्चा तेल खरीदता है, लेकिन रूस और पश्चिम एशिया उसकी ऊर्जा सुरक्षा के मुख्य आधार बने हुए हैं। ऐसे समय में अचानक रूसी तेल बंद करना केवल रूस के खिलाफ फैसला नहीं होगा, बल्कि भारत की अपनी ऊर्जा सुरक्षा पर सीधा असर डाल सकता है।

यही कारण है कि पिछले साल अमेरिकी दंडात्मक शुल्क भी भारत को रूसी तेल से पूरी तरह दूर नहीं कर सके। भारतीय रिफाइनरियों ने रूसी तेल की खरीद में बड़ी कटौती तब की जब रूस की प्रमुख तेल कंपनियों पर सीधे प्रतिबंध लगाए गए और व्यापार करना कठिन हो गया। लेकिन जैसे ही पश्चिम एशिया में आपूर्ति संकट गहराया, भारत ने फिर रूसी तेल की खरीद बढ़ा दी। जुलाई में रूसी तेल की खरीद अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। इससे एक बात साफ होती है कि भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा कोई सौदेबाजी का विषय नहीं है।

यहां इस पूरे घटनाक्रम का सामरिक महत्व सामने आता है। अमेरिका रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाना चाहता है। जबकि रूस भारत की ऊर्जा सुरक्षा का महत्वपूर्ण आधार बना हुआ है। चीन भी रूसी ऊर्जा का बड़ा खरीदार है। साथ ही भारत एक साथ अमेरिका, रूस, चीन, ईरान तथा पश्चिम एशिया के देशों के साथ अपने हितों का संतुलन साध रहा है। ऐसे में नई दिल्ली के सामने चुनौती किसी एक खेमे में जाने की नहीं, बल्कि अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बचाए रखने की है।

इसके अलावा, ब्रिक्स सम्मेलन में मोदी की पुतिन और जिनपिंग के साथ बढ़ती कूटनीतिक निकटता ने जिस बदलती विश्व व्यवस्था की तस्वीर अमेरिका के सामने रखी, उसके कुछ ही दिनों बाद अमेरिकी कांग्रेस का रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर शिकंजा कसने वाला कदम कई सवाल खड़े करता है। सवाल उठता है कि क्या वाशिंगटन को यह स्वीकार करना मुश्किल हो रहा है कि दुनिया अब उसकी शर्तों पर नहीं चलती? देखा जाये तो भारत, रूस और चीन का एक मंच पर आना और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था तथा संप्रभु समानता की वकालत करना उस अमेरिकी वर्चस्ववादी सोच के लिए सीधी चुनौती है, जिसमें लंबे समय से आर्थिक ताकत को कूटनीतिक दबाव के हथियार की तरह इस्तेमाल किया जाता रहा है। लेकिन बदलती दुनिया का संदेश साफ है। भारत सहित उभरती शक्तियां अब अपने राष्ट्रीय हितों का फैसला किसी बाहरी राजधानी के इशारे पर नहीं करेंगी।

खैर...अब गेंद ट्रंप के पाले में है। अमेरिकी कांग्रेस ने उन्हें सौ प्रतिशत तक शुल्क लगाने की शक्ति दे दी है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि सौ प्रतिशत शुल्क स्वतः लागू हो गया। अंतिम निर्णय ट्रंप को करना है। शुल्क कितना होगा, किन वस्तुओं पर लागू होगा और कब लागू होगा, इन सबका असर भारत-अमेरिका व्यापार पर पड़ेगा। भारत का रुख स्पष्ट है कि ऊर्जा सुरक्षा से समझौता नहीं होगा, विकल्पों का विस्तार जारी रहेगा, अमेरिका से बातचीत जारी रहेगी और राष्ट्रीय हितों पर कोई एकतरफा समझौता नहीं होगा। अमेरिकी शुल्क चाहे जितना बड़ा हो, भारत के लिए असली सवाल किसी एक देश को खुश करना नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के लिए ऊर्जा, अर्थव्यवस्था और रणनीतिक स्वायत्तता सुरक्षित रखना है। विदेश मंत्रालय पहले ही अपना रुख स्पष्ट कर चुका है। भारत अपने व्यापार और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा।

संपादकीय

स्कूल के शूल

पिछले दिनों आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम का वह वीडियो पूरे देश में वायरल हुआ, जिसमें एक प्राइवेट स्कूल की शिक्षिका बच्चे को डांटती और थप्पड़ मारती नजर आ रही थी। उसके बाद बच्चे को कटे पेड़ की तरह गिरते देखा गया। बताते हैं कि होमवर्क पूरा न करने पर टीचर ने एलकेजी के छह वर्षीय छात्र प्रणय तेजा को पहले बुरी तरह डांटा और फिर उसे जोर से थप्पड़ मारा, जो उसे एक शॉक की तरह लगा। सीसीटीवी कैमरे की पुलिस द्वारा हासिल रिकॉर्डिंग में बच्चे की पिटाई और जमीन पर गिरने का दृश्य स्पष्ट दिखाई दे रहा था। बच्चे को अस्पताल ले जाया गया। जहां बताया गया है कि उसकी मृत्यु हो चुकी है। इस घटना के बाद व्यापक विरोध प्रदर्शन भी हुए। अभिभावकों का आरोप है कि बच्चा घर से स्वस्थ स्थिति में स्कूल के लिए निकला था। उसे कोई रोग भी नहीं था। बाकायदा उसने स्कूल जाने की खुद जिद की। उसके पिता के अनुसार उनका परिवार एक तीर्थयात्रा पर गया था, जिसकी वजह से वह होमवर्क नहीं कर सका। इसके बाद टीचर के खिलाफ कार्रवाई और निजी स्कूलों में छात्रों की सुरक्षा बढ़ाने और संवेदनशील व्यवहार की मांग तेज हुई। वहीं दूसरी ओर स्कूल प्रशासन ने दलील दी कि खेल के मैदान में गिरने की वजह से बच्चे की जान गई। बताया जाता है कि स्कूल में कोई खेल का मैदान था ही नहीं। पूरी दुनिया में ऐसे तमाम अध्ययन व शोध निष्कर्ष सामने आ चुके हैं कि स्कूली बच्चों का किसी भी तरह शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न नहीं किया जाना चाहिए। यह न केवल शिक्षकों का शैक्षिक दायित्व है बल्कि वे इसके लिये कानूनी रूप से भी बाध्य हैं। लेकिन विडंबना यह है कि शिक्षकों ने जाने क्यों मान लिया है कि किसी छात्र की गलती को दंडित या प्रताड़ित कर-के ही सुधारा जा सकता है। कहीं न कहीं यह शिक्षकों में धैर्य व तार्किक सोच की कमी को भी दर्शाता है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी पिछले दिनों ऐसी ही घटना सामने आई। वहां विनोद नगर में एक सरकारी स्कूल की ग्यारह साल की छात्रा की सजा दिए जाने के बाद मौत हो गई। उसका कसूर सिर्फ इतना था कि वह क्लास में किताब लाना भूल गई। शिक्षिका ने उसे क्लास के पीछे हाथ ऊपर करके खड़े होने की सजा दी। कक्षा में इस तरह काफी देर तक खड़े रहने और अपमान से आहत होने के बाद उसकी तबीयत खराब हो गई। उसे इलाज के लिये अस्पताल ले जाया गया लेकिन बाद में उसकी मौत हो गई। इसी तरह की अन्य घटना में फरीदाबाद के एक स्कूल में मामूली बात पर छात्रा को चार घंटे खड़े होने की सजा दी गई। घटना से आहत व अपमानित महसूस करके छात्रा ने स्कूल की छत से कूदकर जान दे दी।

चिंतन-मनन

आत्मा का दिव्य भाव

जो व्यक्ति दिव्य पद पर स्थित है, वह न किसी से ईर्ष्या करता है और न किसी वस्तु के लिए लालायित रहता है। जब कोई जीव इस संसार में भौतिक शरीर से युक्त होकर रहता है, तो समझना चाहिए कि वह प्रकृति के तीन गुणों में से छूट जाता है। लेकिन जब तक वह शरीर से बाहर नहीं आ जाता, तब तक उसे उदासीन रहना चाहिए। उसे भगवान की भक्ति में लग जाना चाहिए जिससे भौतिक देह से उसका ममत्व स्वतः विस्मृत हो जाए। जब मनुष्य भौतिक शरीर के प्रति सचेत रहता है तो वह केवल इन्द्रियतृप्ति के लिए कर्म करता है, लेकिन जब चेतना कृष्ण में स्थानान्तरित कर देता है, तो इन्द्रियतृप्ति स्वतः रुक जाती है। मनुष्य को इस भौतिक शरीर की आवश्यकता नहीं रह जाती है और न उसे भौतिक शरीर के आदेशों के पालन की आवश्यकता रह जाती है। शरीर के भौतिक गुण कार्य करेंगे, लेकिन आत्मा ऐसे कार्य से पृथक रहेगी। वह न तो शरीर का भोग करना चाहती है, न उससे बाहर जाना चाहती है। इस प्रकार दिव्य पद पर स्थित भक्त स्वयमेव मुक्त हो जाता है। उसे प्रकृति के गुणों के प्रभाव से मुक्त होने के लिए किसी प्रयास की कोई आवश्यकता नहीं रह जाती। भौतिक पद पर स्थित व्यक्ति शरीर को मिलने वाले तथाकथित मान-अपमान से प्रभावित होता है, लेकिन दिव्य पद पर आसीन व्यक्ति ऐसे मिथ्या मान-अपमान से प्रभावित नहीं होता। वह इसकी चिन्ता नहीं करता कि कोई व्यक्ति उसका सम्मान करता है या अपमान। वह उन बातों को स्वीकार कर लेता है, जो कृष्णभावनामृत में उसके कर्त्तव्य के अनुकूल हैं, अन्यथा उसे किसी भौतिक वस्तु की आवश्यकता नहीं रहती। वह प्रत्येक व्यक्ति को जो कृष्णभावनामृत के सम्पादन में उसकी सहायता करता है, मित्र मानता है और तथाकथित शत्रु से भी घृणा नहीं करता। वह समभाव वाला होता है और सारी वस्तुओं को समान धरातल पर देखता है, क्योंकि वह इसे भलीभांति जानता है कि उसे इस संसार से कुछ लेना-देना नहीं है।

सेमीकॉन इंडिया 26 सिलिकॉन से सिस्टम तक विकसित भारत 2047 की नई उड़ान

विनोद सिंह 'तकियावाला

युवा इंजीनियरिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर और विनिर्माण के संगम से बदल रही भारत की अर्थव्यवस्था; प्रधानमंत्री मोदी ने कहा -नीति से आगे बढ़कर अब भारत में बन रहे हैं चिप और वैश्विक बाजार तक पहुँच रही है, भारतीय तकनीक...

वैश्विक मानचित्र पर किसी देश की आर्थिक शक्ति का आकलन केवल उसकी सड़कों,रेल लाइनों, बंदरगाहों,गगनचुंबी इमारतों या डिजिटल नेटवर्क से नहीं होता। बल्कि आज के बदलते परिवेश में उस देश की असली ताकत इस बात से भी तय होती है कि वह नवीन तकनीकों का निर्माण कितना कर सकता है,जो इन सभी व्यवस्थाओं को संचालित करती हैं।आज की डिजिटल अर्थव्यवस्था में सेमीकंडक्टर ऐसी ही बुनियादी तकनीक बन चुका है। मोबाइल फोन से लेकर रेलवे, ऑटोमोबाइल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, चिकित्सा उपकरण, रक्षा प्रणाली, अंतरिक्ष तकनीक और डेटा सेंटर तक शायद ही कोई आधुनिक क्षेत्र हो,जिसकी कार्यप्रणाली चिप के बिना पूरी हो सके। इसी बदलती वैश्विक तकनीकी व्यवस्था के बीच नई दिल्ली का यशोभूमि इन दिनों केवल एक प्रदर्शनी स्थल नहीं,बल्कि भारत की भावी आर्थिक और तकनीकी दिशा का साक्षी बना हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 17 सितंबर को सेमीकॉन इंडिया 2026 के पाँचवें संस्करण का उद्घाटन किया। 17 से 19 सितंबर तक चलने वाले इस इ सेमीकॉन इंडिया 2026 का विषय है–'सिलिकॉन से सिस्टम तक : इकोसिस्टम का निर्माण'। 52 देशों की भागीदारी, 600 से अधिक प्रदर्शक,150 से अधिक वक्ता छह देश मंडप और 12 राज्य मंडप इस आयोजन को वैश्विक तकनीकी संवाद का महत्वपूर्ण मंच बना रहे हैं। सर्व विदित रहे कि सेमीकॉन इंडिया 2026 का महत्व केवल इसकी भव्यता और वैश्विक भागीदारी में नहीं है।इसका वास्तविक महत्व उस परिवर्तन में छिपा है,जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने अपने उद्घाटन संबोधन में रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा अब परियोजनाओं की घोषणा और निर्माण के चरण से आगे बढ़कर वाणिज्यिक उत्पादन तक पहुँच गई है।उनके अनुसार पहले सेमीकॉन आयोजन में नीतियों पर चर्चा हुई,फिर परियोजनाओं और शिलान्यास की बात आई,पिछले वर्ष पायलट लाइन और टेस्ट चिप की चर्चा हुई और अब भारतीय संयंत्रों से तैयार चिप ग्राहकों तक पहुँचने लगी है।यही बदलाव विकसित भारत 2047 की बड़ी तस्वीर को समझने की कुंजी भी है।भारत ने लंबे समय तक इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में मुख्यतः उपभोक्ता बाजार के रूप में अपनी पहचान बनाई। मोबाइल फोन से लेकर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों तक भारत में खपत तेजी से बढ़ी,लेकिन उसके पीछे लगने वाली चिप तकनीक का बड़ा हिस्सा बाहर से आता रहा।आज तस्वीर बदलने की कोशिश हो रही है।अब लक्ष्य केवल चिप का इस्तेमाल करना नहीं,बल्कि उसके डिजाइन से लेकर निर्माण,पैकेजिंग, परीक्षण, उपकरण,सामग्री और अंततः चिप से तैयार सिस्टम तक पूरी मूल्य श्रृंखला को भारत में मजबूत करना है।इसीलिए इस वर्ष का 'सिलिकॉन से सिस्टम तक' विषय अपने भीतर एक बड़ी आर्थिक कहानी समेटे हुए है। यशोभूमि में प्रदर्शित 'सैंड से सिलिकॉन से सिस्टम' मूल्य श्रृंखला यह दिखाती है कि भारत की महत्वाकांक्षा केवल किसी एक फैब या पैकेजिंग इकाई तक सीमित नहीं है।लक्ष्य एक ऐसा व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना है,जिसमें डिजाइनर, इंजीनियर, निमार्ता,उपकरण कंपनियाँ,कच्चे माल के उत्पादक, शोध संस्थान, स्टार्टअप और अंतिम इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली बनाने वाली कंपनियाँ एक-दूसरे से जुड़ें। यहीं से विकसित भारत 2047 का सपना सेमीकॉन इंडिया 2026 से जुड़ता है।

2047 में भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाएगा। उस समय भारत की अर्थव्यवस्था कैसी होगी, उसकी वैश्विक तकनीकी भूमिका क्या होगी और उसके युवाओं के पास किस प्रकार के रोजगार होंगे,इन प्रश्नों के उत्तर आज की नीतियों और निवेश से तैयार होंगे।सेमीकंडक्टर क्षेत्र इस भविष्य की अर्थव्यवस्था के लिए इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह केवल एक उद्योग नहीं,बल्कि अनेक उद्योगों की आधारभूत तकनीक है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में भारत की इस यात्रा को नई गति मिलने की बात कही और यह भी रेखांकित किया कि भारत ने कुछ ही वर्षों में वह प्रगति की है,जिसमें सामान्यतः अधिक लंबा समय लगता है। उन्होंने भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा को दूसरे चरण में प्रवेश करने वाला बताया।साथ ही उन्होंने उद्योग जगत से अनुसंधान एवं विकास में अधिक सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया और भारत तथा विदेशों में शोध कर रहे युवा वैज्ञानिकों और प्रतिभाओं को देश की उन्नत तकनीकी यात्रा से जुड़ने का आग्रह किया।युवा इंजीनियर इस पूरी कहानी का सबसे महत्वपूर्ण अध्याय हैं।सेमीकंडक्टर उद्योग में केवल पूंजी लगाने से कारखाना खड़ा नहीं होता। इसके लिए डिजाइन इंजीनियर, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स विशेषज्ञ, सामग्री वैज्ञानिक, उपकरण इंजीनियर, सॉफ्टवेयर विशेषज्ञ, पैकेजिंग विशेषज्ञ,परीक्षण विशेषज्ञ और अनुसंधानकर्ता चाहिए। यही कारण है कि सेमीकॉन इंडिया 2026 में वर्कफोर्स डेवलपमेंट पवेलियन और छात्र हैकाथॉन जैसे कार्यक्रमों को भी स्थान दिया गया है।लगभग 40 स्टार्टअप वाला स्टार्टअप पवेलियन भी यह संदेश देता है कि भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा केवल बड़ी कंपनियों की कहानी नहीं है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में युवाओं को चिप डिजाइन का प्रशिक्षण दिए जाने और उन्हें स्वयं चिप डिजाइन करने के अवसर मिलने की चर्चा की।यह बदलाव बहुत महत्वपूर्ण है। इंजीनियरिंग की शिक्षा अब केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं रह सकती।भारत को ऐसे इंजीनियर चाहिए जो समस्या को समझें,डिजाइन तैयार करें, प्रयोग करें,असफल हों और फिर नया समाधान विकसित करें। प्रयोगशाला से उद्योग और उद्योग से बाजार तक जाने वाली यही संस्कृति विकसित भारत की तकनीकी नींव बनेगी।सेमीकॉन 2.0 इसी दिशा में अगला कदम है।इस कार्यक्रम का जोर केवल बड़े सिलिकॉन फैब पर नहीं, बल्कि डिजाइन,विशेषीकृत फैब, उन्नत पैकेजिंग,उपकरण एवं घटक निर्माण,कच्चे माल, अनुसंधान एवं विकास तथा प्रतिभा निर्माण जैसे क्षेत्रों पर है। यानी सरकार अब पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को विकसित करने की दिशा में बढ़ रही है। कार्यक्रम में चिप डिजाइन, उपकरण और सामग्री से लेकर अनुसंधान और कौशल तक अनेक स्तरों को समर्थन देने की व्यवस्था की गई है।इसका सीधा संबंध भारत की अर्थव्यवस्था से है।भारत को यदि 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनना है तो उसे उच्च मूल्य वाले विनिर्माण में अपनी हिस्सेदारी बढ़ानी होगी। सेवा क्षेत्र ने भारत को वैश्विक पहचान दी है,लेकिन आने वाले समय में विनिर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स,सेमीकंडक्टर, रक्षा उत्पादन, हरित ऊर्जा,अंतरिक्ष और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्र आर्थिक विकास के नए इंजन बन सकते हैं।सेमीकंडक्टर इन सभी क्षेत्रों के बीच एक साझा कड़ी है।

एक चिप केवल एक छोटा इलेक्ट्रॉनिक घटक नहीं है। इसके पीछे डिजाइन सॉफ्टवेयर से लेकर अत्यंत शुद्ध सामग्री, विशेष मशीनें,र सायन, गैसें, परीक्षण प्रयोगशालाएँ, पैकेजिंग तकनीक और प्रशिक्षित मानव संसाधन की पूरी श्रृंखला होती है।इसलिए भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग का विस्तार होने का अर्थ हजारों प्रत्यक्ष नौकरियों के साथ उससे जुड़े अनेक सहायक उद्योगों, सेवाओं और आपूर्ति श्रृंखलाओं का विकास भी है।इसीलिए सेमीकॉन इंडिया 2026 को रोजगार और युवा उद्यमिता के दृष्टिकोण से भी देखना आवश्यक है।अतीत के आने वाले वर्षों में चिप डिजाइन, एम्बेडेड सिस्टम, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, ऑटोमेशन, इलेक्ट्रिक वाहन, डेटा सेंटर और स्मार्ट विनिर्माण के क्षेत्र में नई विशेषज्ञता की मांग बढ़ेगी।भारत के इंजीनियरिंग संस्थानों के सामने यह अवसर है कि वे अपने पाठ्यक्रम और प्रयोगशालाओं को भविष्य की इन जरूरतों से जोड़ें।प्रधानमंत्री ने उद्योग से अनुसंधान एवं विकास की जिम्मेदारी अधिक सक्रियता से लेने का आह्वान भी इसी संदर्भ में किया।भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक यह है कि शोध को प्रयोगशाला से बाजार तक पहुँचाने की गति कैसे बढ़ाई जाए। यदि विश्वविद्यालय में तैयार तकनीक उद्योग तक नहीं पहुँचती और उद्योग की समस्या शोध संस्थानों तक नहीं पहुँचती,तो दोनों की क्षमता का पूरा उपयोग नहीं हो पाता।सेमीकंडक्टर जैसे अत्याधुनिक क्षेत्र में यह दूरी और भी कम करनी होगी।भारत के लिए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बदलता परिदृश्य भी एक अवसर लेकर आया है।दुनिया अब ऐसे नए और भरोसेमंद स्थान चाहती है जहाँ महत्वपूर्ण तकनीकों का उत्पादन विविधीकृत रूप में किया जा सके।प्रधानमंत्री ने भी कहा कि दुनिया को चिप निर्माण के लिए नए और भरोसेमंद स्थानों की आवश्यकता है और भारत स्वयं को एक पसंदीदा गंतव्य बनाने के लिए आवश्यक कदम उठा रहा है। इस अवसर का लाभ केवल निवेश आकर्षित करके नहीं उठाया जा सकता।इसके लिए गुणवत्ता,समयबद्ध उत्पादन, विश्वसनीय ऊर्जा,पानी, लॉजिस्टिक्स,कुशल मानव संसाधन और अनुसंधान की मजबूत व्यवस्था चाहिए। .भारत में समर्पित माल गलियारों, औद्योगिक गलियारों, बंदरगाहों और डिजिटल बुनियादी ढाँचे का विस्तार इसी व्यापक औद्योगिक व्यवस्था का हिस्सा है। आधुनिक चिप उद्योग को जिस प्रकार की जटिल आपूर्ति श्रृंखला चाहिए, उसके लिए भौतिक और डिजिटल बुनियादी ढाँचा दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस पूरी कहानी को और बड़ा बना रही है। एआई के लिए उच्च क्षमता वाली कंप्यूटिंग,डेटा सेंटर और उन्नत चिप की आवश्यकता होगी। दूसरी ओर सेमीकंडक्टर उद्योग स्वयं एआई आधारित डिजाइन, परीक्षण और विनिर्माण तकनीकों से लाभ उठा सकता है।यानी एआई और सेमीकंडक्टर एक-दूसरे को गति देने वाले क्षेत्र बन सकते हैं।भारत यदि दोनों क्षेत्रों में अपनी युवा प्रतिभा को पर्याप्त अवसर देता है तो विकसित भारत की अर्थव्यवस्था में उच्च तकनीकी उद्योगों का महत्व और बढ़ सकता है। स्टार्टअप इस परिवर्तन के तीसरे महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। सेमीकॉन इंडिया 2026 में लगभग 40 स्टार्टअप की भागीदारी यह बताती है कि चिप उद्योग का भविष्य केवल कुछ वैश्विक दिग्गज कंपनियों के हाथ में नहीं रहना चाहिए। चिप डिजाइन, सेंसर, इलेक्ट्रॉनिक्स, एम्बेडेड सिस्टम, परीक्षण और विशिष्ट औद्योगिक समाधान के क्षेत्र में छोटे और मध्यम उद्यम भी अपनी जगह बना सकते हैं।सेमीकॉन 2.0 में चिप डिजाइन स्टार्टअप और एमएसएमई के लिए वित्तीय तथा तकनीकी समर्थन की व्यवस्था इसी दिशा में है। यहाँ भारत की युवा शक्ति को एक नया अवसर दिखाई देता है।जिस देश में लाखों युवा इंजीनियर हर वर्ष तकनीकी संस्थानों से निकलते हैं,यदि उनमें से एक हिस्सा भी डीप-टेक और सेमीकंडक्टर स्टार्टअप की ओर जाता है तो आने वाले वर्षों में भारत केवल वैश्विक कंपनियों के लिए प्रतिभा उपलब्ध कराने वाला देश नहीं रहेगा,बल्कि स्वयं वैश्विक तकनीकी कंपनियाँ पैदा कर सकता है।इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री का यह आग्रह महत्वपूर्ण है कि विदेशों में शोध कर रहे भारतीय युवा भी भारत की उन्नत तकनीकी यात्रा में योगदान दें। प्रतिभा का वैश्विक अनुभव भारत की घरेलू क्षमता के साथ जुड़े तो शोध,उद्योग और नवाचार के बीच एक नई श्रृंखला तैयार हो सकती है।भारत की आर्थिक यात्रा में यह परिवर्तन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि विकसित भारत का अर्थ केवल अधिक बड़ा सकल घरेलू उत्पाद नहीं है।विकसित भारत का अर्थ ऐसी अर्थव्यवस्था भी है, जो महत्वपूर्ण तकनीकों के लिए पूरी तरह दूसरों पर निर्भर न हो,जो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अपनी भूमिका निभाए, जो उच्च कौशल वाले रोजगार पैदा करे और जो अपने युवाओं को केवल नौकरी खोजने वाला नहीं,बल्कि तकनीक और उद्योग का निमार्ता बनाए।सेमीकॉन इंडिया 2026 इसी बदलाव की एक जीवंत तस्वीर प्रस्तुत कर रहा है। यशोभूमि में एक ओर विश्व की बड़ी सेमीकंडक्टर कंपनियाँ हैं, दूसरी ओर भारतीय स्टार्टअप और युवा प्रतिभाएँ। एक ओर चिप निर्माण की मशीनें और उपकरण हैं, दूसरी ओर डिजाइन और अनुसंधान की नई संभावनाएँ।एक ओर वैश्विक निवेश और साझेदारी है, दूसरी ओर आत्मनिर्भर तकनीकी क्षमता की आकांक्षा।प्रधानमंत्री ने उद्घाटन के दौरान यह भी रेखांकित किया कि भारत की कहानी अब फाइलों और परियोजना घोषणाओं तक सीमित नहीं है।भारतीय संयंत्रों से वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होना इस यात्रा के अगले चरण का संकेत है। सेमीकॉन 1.0 के तहत स्वीकृत 12 परियोजनाओं में से तीन इकाइयों के वाणिज्यिक उत्पादन में आने की जानकारी भी सामने आई है। अब चुनौती इस शुरूआती सफलता को व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र में बदलने की है।यही वह बिंदु है जहाँ से सेमीकॉन इंडिया 2026 और विकसित भारत 2047 का रिश्ता सबसे स्पष्ट दिखाई देता है। 2047 का भारत यदि दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह मजबूत करना चाहता है तो उसे केवल बाजार नहीं,बल्कि तकनीकी शक्ति भी बनना होगा। चिप उस तकनीकी शक्ति की बुनियादी इकाई है।भारत की युवा इंजीनियरिंग शक्ति इस परिवर्तन की धुरी बन सकती है। आज का इंजीनियर ही कल का चिप डिजाइनर, शोधकर्ता, उद्यमी, फैब विशेषज्ञ,एआई वैज्ञानिक या वैश्विक तकनीकी कंपनी का संस्थापक बन सकता है।आवश्यकता केवल इतनी है कि उसे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक प्रयोगशाला,उद्योग से जुड़ने का अवसर,अनुसंधान का वातावरण और असफल होने के बाद फिर प्रयास करने की स्वतंत्रता मिले।सेमीकॉन इंडिया 2026 इसलिए एक आयोजन से कहीं अधिक है।यह भारत की उस यात्रा का प्रतीक है,जिसमें देश डिजिटल उपभोक्ता से डिजिटल निमार्ता,तकनीकी उपयोगकर्ता से तकनीकी नवप्रवर्तक और परियोजना प्रस्ताव से वाणिज्यिक उत्पादन की ओर बढ़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

लंदन में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय का कार्यक्रम रद्द

लंदन , एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ब्रिटेन दौरे पर हैं। मंगलवार को लंदन में उनका एक कार्यक्रम सुरक्षा चिंताओं के कारण रद्द कर दिया गया। मेट्रोपॉलिटन पुलिस के हस्तक्षेप के बाद यह फैसला लिया गया। लंदन की द शार्द इमारत के बाहर सैकड़ों प्रशंसक जमा हुए थे। कार्यक्रम रद्द होने से घंटों से इंतजार कर रहे कई प्रशंसक निराश हुए। मुख्यमंत्री का दल तमिलनाडु में निवेश आकर्षित करने यूके के दौरे पर है। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, प्रतिनिधिमंडल ने यात्रा के दौरान कई समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इन समझौतों में 12,300 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है। इस निवेश अभियान का लक्ष्य तमिलनाडु को एशिया का उन्नत विनिर्माण और प्रौद्योगिकी केंद्र बनाना है। इससे राज्य भर में 9,400 से अधिक उच्च-मूल्य वाली नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। विजय बुधवार को अपना यूके दौरा समाप्त कर भारत लौटेंगे।

कांगो में तीसरे कार्यकाल के विरोध में प्रदर्शन, पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी

किंशासा , एजेंसी। अफ्रीकी देश कांगो में राष्ट्रपति फेलिक्स त्सेसीकेदी के तीसरे कार्यकाल की संभावना वाले सांविधानिक परिवर्तनों के खिलाफ मंगलवार को सैकड़ों लोगों ने प्रदर्शन किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस छोड़ी। विपक्षी गठबंधन सी64 ने किंशासा समेत कई शहरों में ये प्रदर्शन आयोजित किए। प्रदर्शन शांतिपूर्ण शुरू हुए पर सरकार समर्थक समर्थकों से झड़प के बाद पुलिस ने बल प्रयोग किया। विपक्षी नेता मार्टिन फायुलु ने सरकार पर राजनीतिक मिलिशिया के साथ काम करने का आरोप लगाया। कांगो सरकार के प्रवक्ता पैट्रिक मुयाया ने विपक्ष की निंदा की, कहा विरोध का अधिकार सही ढंग से प्रयोग होना चाहिए। कांगो का संविधान राष्ट्रपति के कार्यकाल की सीमा में बदलाव पर रोक लगाता है। नेशनल असेंबली में एक विधेयक विचाराधीन है, जो राष्ट्रपति को इन प्रावधानों को बदलने की अनुमति दे सकता है। त्सेसीकेदी के सत्ता में बने रहने के प्रयास का विरोध करने के लिए विपक्षी दलों ने मई में सी64 का गठन किया था।

2 हेलिकॉप्टर, 21 विमान और 50 घंटे... ईरान में फंसे अमेरिकी पायलट को बचाने के लिए चला खतरनाक मिशन

वाशिंगटन, एजेंसी। सोचिए, आपका फाइटर जेट दुश्मन के इलाके में गिर चुका है, पैराशूट ठीक से नहीं खुला और शरीर में कई जगह फ्रैक्चर है। नीचे जमीन पर दुश्मन की सेना आपको खोज रही है और आपके पास छिपने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। ऐसे में अगर मदद का भरोसा हो भी, तो सवाल यही है कि वह मदद आप तक पहुंचेगी कैसे? अप्रैल 2026 में ईरान में अमेरिकी एयरफोर्स के अधिकारी के साथ कुछ ऐसा ही हुआ। स्त्र-15श्च फाइटर जेट के गिरने के बाद उसके दो क्रू मेंबर अलग-अलग जगह जा गिरे। अप्रैल में अमेरिकी स्त्र-15श्च स्ट्राइक ईगल ईरान के ऊपर एक मिशन पर था। इसी दौरान विमान को एक मिसाइल से निशाना बनाया गया और वह क्रैश हो गया। विमान में दो अमेरिकी अधिकारी थे, जिन्हें यहां उनके कॉल साइन 'अल्फा' और 'ब्रावो' से जाना गया और विमान ईरान में ही जा गिरा था। दोनों ने विमान से बाहर निकलने की कोशिश की, लेकिन जमीन पर पहुंचने के बाद उनकी लोकेशन अलग हो गई।

ट्रंप ने अपने पसंदीदा सिंगर की पत्नी को बनाया राजदूत उम्मीदवार, बारबाडोस-पूर्वी कैरिबियन की संभालेंगी जिम्मेदारी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पसंदीदा और मशहूर देशभक्ति गीत 'गॉड ब्लेस द यूएसए' के सिंगर ली ग्रीनवुड की पत्नी किम्बर्ली ग्रीनवुड को बारबाडोस और पूर्वी कैरेबियाई देशों के लिए अमेरिकी राजदूत के पद के लिए नामित किया है। ट्रंप प्रशासन ने किम्बर्ली के अलावा और भी कई अन्य राजदूत पदों के लिए नामित लोगों की लिस्ट अमेरिकी सीनेट के पास भेजी है। किम्बर्ली ग्रीनवुड की नियुक्ति के लिए अब सीनेट की मंजूरी जरूरी होगी। अगर अमेरिकी सीनेट से मंजूरी मिल जाती है, तो किम्बर्ली बारबाडोस के साथ-साथ सेंट किट्स एंड नेविस, सेंट लूसिया, एंटीगुआ और बारबुडा, डोमिनिका, ग्रेनेडा, और सेंट विंसेंट एंड द ग्रेनेडाइंस जैसे कैरेबियाई देशों में एक साथ अमेरिकी राजदूत के रूप में सेवाएं देंगी।

बाइडन ने रोकी थी खेप, ट्रंप ने की जारी: इस्राइल को 40 हजार खतरनाक बम देगा अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन 2.8 अरब डॉलर के प्रस्तावित हथियार सौदे के तहत इस्राइल को 40,000 शक्तिशाली 2,000 पाउंड के बम देने की तैयारी कर रहा है। इनमें 20,000 एमके-84 और 20,000 बीएलयू-117 बम शामिल हैं। यह वही श्रेणी के हथियार हैं जिनकी एक खेप बाइडन प्रशासन ने 2024 में गाजा में बड़े पैमाने पर नागरिकों के हताहत होने की आशंका के चलते रोक दी थी। प्रस्तावित सौदा ऐसे समय में सामने आया है जब गाजा में युद्ध को लेकर इस्राइल पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ा हुआ है और युद्धविराम के बावजूद हिंसा जारी है।

40 हजार बमों का प्रस्तावित सौदा : अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, 2.8 अरब डॉलर के इस पैकेज में कुल 40,000 बम शामिल हैं। इनमें 20,000 एमके-84 और 20,000 बीएलयू-117 बम हैं। दो अमेरिकी अधिकारियों और इस योजना से परिचित एक व्यक्ति ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। इन सभी ने अपनी पहचान सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर बात की, क्योंकि हथियारों का यह पैकेज अभी अंतिम रूप नहीं ले पाया है।

कांग्रेस को दी गई सौदे की जानकारी : अमेरिकी कांग्रेस को प्रस्तावित हथियार सौदे के बारे में अनौपचारिक रूप से जानकारी दे दी गई है। इस सौदे की बड़ी राशि विदेशी सैन्य वित्त पोषण के जरिए चुकाई जाएगी। इस व्यवस्था के तहत अमेरिका इस्राइल को सैन्य सहायता के लिए धन देता है और इस्राइल उसी धन से अमेरिका से हथियार खरीदता है।

इस्राइल की सैन्य क्षमता बढ़ाने की दिशा में एक और कदम : यह प्रस्तावित सौदा ट्रंप प्रशासन की ओर से इस्राइल की सैन्य क्षमता मजबूत करने के लिए उठाए गए कदमों की कड़ी में नया कदम है। गाजा में लंबे समय से जारी संघर्ष में दसियों हजार फलस्तीनियों की मौत हुई है और पूरा इलाका बुरी तरह तबाह हुआ है। अमेरिका की मध्यस्थता से एक नाजुक युद्धविराम हुआ था, लेकिन इसके बावजूद हिंसा जारी रही है।

गाजा युद्ध के बीच बढ़ा अंतरराष्ट्रीय दबाव : यह हथियार सौदा ऐसे समय में सामने आया है जब गाजा में युद्ध को लेकर इस्राइल को बढ़ते अंतरराष्ट्रीय अलगाव का सामना करना पड़ रहा है। 7 अक्टूबर, 2023 को हमास के घातक हमले के जवाब में इस्राइल ने गाजा में सैन्य अभियान शुरू किया था। इसके बाद से इस्राइल के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव बढ़ा है।

ईरान संघर्ष के बावजूद कायम है अमेरिका-इस्राइल गठजोड़ : प्रस्तावित हथियार सौदा यह संकेत देता है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच संबंधों में आए कुछ तनाव के बावजूद दोनों देशों का सैन्य और रणनीतिक गठजोड़ मजबूत बना हुआ है। खास तौर पर फरवरी में दोनों देशों द्वारा ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू किए जाने के बाद दोनों नेताओं के बीच कुछ मतभेद सामने आए थे। ट्रंप और नेतन्याहू के संबंधों का इतिहास उतार-चढ़ाव भरा रहा है। ईरान संघर्ष को लेकर ट्रंप ने जुलाई में व्हाइट हाउस में नेतन्याहू से अपनी मुलाकात से पहले उनसे जुड़ी कुछ बातों पर नाराजगी भी जाहिर की थी।

बाइडन ने रोकी थी बमों की एक खेप : 2024 में बाइडन प्रशासन ने इन 2,000 पाउंड के बमों की एक खेप इस्राइल को भेजने से रोक दी थी। हालांकि, ट्रंप के दोबारा राष्ट्रपति पद संभालने के बाद उन्होंने उस रोक को हटा दिया। पिछले साल ट्रंप प्रशासन ने कांग्रेस की सामान्य समीक्षा प्रक्रिया को दरकिनार करते हुए इस्राइल के साथ करीब 3 अरब डॉलर के हथियार सौदे को मंजूरी दी थी। इसमें 35,500 से अधिक बम शामिल थे। इसके बाद जनवरी में ट्रंप प्रशासन ने इस्राइल के लिए हथियारों की नई श्रृंखला को मंजूरी दी, जिसकी कुल कीमत 6.67 अरब डॉलर थी।

2,000 पाउंड के बम कितने शक्तिशाली हैं : 2,000 पाउंड के बमों के कई अलग-अलग संस्करण हैं। इनमें कुछ ऐसे बम हैं जिन्हें जमीन के भीतर मौजूद या भूमिगत लक्ष्यों को भेदने के लिए डिजाइन किया गया है। वहीं, कुछ संस्करण जमीन के ऊपर विस्फोट करते हैं और बड़े इलाके में व्यापक तबाही मचा सकते हैं।

गाजा में अमेरिकी बमों के इस्तेमाल के सबूत : इस्राइली सेना ने गाजा में इस्तेमाल किए गए बमों और तोपों के बारे में बहुत कम जानकारी सार्वजनिक की है। हालांकि, हमले के वीडियो फुटेज और घटनास्थलों से मिले विस्फोटक अवशेषों का विश्लेषण करने वाले विशेषज्ञों का मानना है कि गाजा में अमेरिका निर्मित इन बमों का इस्तेमाल किया गया है।

बढ़ते युद्धों और हिंसक टकरावों के बीच शान्ति में निवेश की पुकार

जिनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुटेरेश ने दुनिया भर में बढ़ती हिंसा, विभाजन और हिंसक टकरावों के बीच विश्व नेताओं से शान्ति में निवेश बढ़ाने की अपील की है. यूएन महासचिव एंतोनियो गुटेरेश ने न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय परिसर में जापानी शान्ति की घंटी बजाने के वार्षिक समारोह को सम्बोधित करते हुए यह सन्देश दिया.उन्होंने कहा, 'हर साल शान्ति घंटी की गूँज हमें हमारी सबसे अहम ज़िम्मेदारी की याद दिलाती है - शान्ति स्थापना की. 'शान्ति पर संकटउन्होंने ज़ोर देकर कहा कि 'शान्ति अपने आप हासिल नहीं होती.' इसके लिए, लगातार मेहनत और ठोस कार्रवाई की ज़रूरत होती है. लेकिन मौजूदा दौर में शान्ति के प्रयास कमज़ोर पड़ रहे हैं.उन्होंने कहा, 'हिंसा और विभाजन समुदायों को तोड़ रहे हैं. हिंसक टकराव फैल रहे हैं और गहरे होते जा रहे हैं. लोग पीड़ा झेल रहे हैं, लेकिन समाधान के लिए ज़रूरी संवाद और एकजुटता नदारद हैं. ' महासचिव की यह अपील 21 सितम्बर को मनाए जाने वाले अन्तरराष्ट्रीय शान्ति दिवस से पहले आई है. इस वर्ष इसकी थीम है - 'शान्ति में निवेश: सर्वजन के लिए, हर जगह, हर दिन.'आमजन दिखा रहे हैं राहउन्होंने दुनिया भर के स्वयंसेवकों, पैरोकारों, नागरिक समाज के नेताओं, शान्तिरक्षकों और शान्ति के लिए काम कर रहे लोगों का उल्लेख किया, जो इस थीम को ज़मीनी स्तर पर साकार कर रहे हैं.उन्होंने कहा, 'जहाँ सरकारें शान्ति क़ायम करने में विफल हो रही हैं, वहाँ लोग अपनी आवाज़ उठाकर, दूरियाँ कम करके और समुदायों को फिर से जोड़कर एक अलग रास्ता दिखा रहे हैं. 'महासचिव ने आने वाले हफ़्तों में संयुक्त राष्ट्र में जुटने वाले विश्व नेताओं से इन लोगों से प्रेरणा लेने और स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण व सामाजिक सुरक्षा में निवेश बढ़ाने की अपील की. साथ ही उन्होंने ऐसी संस्थाएँ और व्यवस्थाएँ मज़बूत करने पर ज़ोर दिया, जिन पर लोग भरोसा कर सकें.एकजुटता, कार्रवाई और निवेशउन्होंने कहा कि नेताओं को मानवाधिकारों और मानवीय गरिमा की रक्षा करनी होगी.

साथ ही, कूटनीति, संवाद, वार्ता और शान्तिरक्षा जैसे 'शान्ति के कारगर साधनों' के प्रति फिर से प्रतिबद्ध होकर युद्धों एवं हिंसक टकरावों को समाप्त करना होगा.महासचिव ने कहा, 'आज मैं विश्व नेताओं से हमारे साथ खड़े होने की अपील करता हूँ - कार्रवाई करें, समाधानों में निवेश करें और स्थाई शान्ति स्थापित करने के लिए हर सम्भव प्रयास करें'.

जोहान्सबर्ग में 7वीं महिला की लाश मिलने से हड़कंप

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग के पूर्वी इलाके में मंगलवार को एक और महिला का शव मिलने के बाद लोगों में डर बढ़ गया है। पिछले 2 महीनों में इसी इलाके में कई महिलाओं के शव मिल चुके हैं। मंगलवार को मिले शव के साथ ऐसे मामलों की संख्या 7 हो गई है। लगातार हो रही इन मौतों के बाद किसी संभावित सीरियल किलर के इलाके में सक्रिय होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, पुलिस ने अभी यह पुष्टि नहीं की है कि इन सभी हत्याओं के पीछे एक ही व्यक्ति है। पुलिस का कहना है कि इन मामलों में कुछ समानताएं जरूर हैं और इसी वजह से जांच तेज करने के साथ महिलाओं के लिए सार्वजनिक चेतावनी जारी की गई है। दक्षिण अफ्रीकी पुलिस सेवा यानी कि स्नक्क ने महिलाओं से खास तौर पर सावधानी बरतने को कहा है। पुलिस ने इलाके में जॉगिंग जैसी गतिविधियों के दौरान सतर्क रहने की सलाह दी है। पुलिस प्रवक्ता एथलेंडा माठे ने कहा, 'जांच अभी जारी है और एसएपीएस ने इस समय तक यह पुष्टि नहीं की है कि इन मौतों का संबंध किसी सीरियल किलर से है। लेकिन मामलों में समानताएं इतनी चिंताजनक हैं कि पुलिस ने लोगों के लिए सार्वजनिक चेतावनी जारी की है और जांच को तेज कर दिया है।'

मंगलवार को मिला था महिला का शव : मंगलवार को एक महिला का शव क्वा-थेमा इलाके में मिला। यह जगह केंप्टन पार्क से करीब 34 किलोमीटर दूर है। पुलिस के मुताबिक, महिला का शव पूरी तरह नग्न अवस्था में मिला और वह काफी ज्यादा सड़-गल चुका था। इससे पहले सोमवार को ओलिफैंट्सन्टीन इलाके में भी एक महिला का शव बरामद हुआ था। इसके अलावा शनिवार को 38 साल की एलिजाबेथ 'सोंत्सो' मोसेलाकगोमो का शव मिला था। वह पिछले सप्ताह केंप्टन पार्क में जॉगिंग के लिए निकली थीं और उसके बाद लापता हो गई थीं। एलिजाबेथ की तलाश में स्थानीय लोगों और पुलिस ने मिलकर अभियान चलाया था और आखिरकार शनिवार को उनका अर्धनग्न शव बरामद हुआ। लगातार सामने आ रहे इन मामलों को लेकर दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने भी चिंता जताई है। उन्होंने मंगलवार को कहा कि उन्होंने पुलिस अधिकारियों को इन हत्याओं की जांच को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया है।

एच-1बी वीजा पर सख्ती: वेंस बोले- अमेरिकियों की नौकरियां नहीं छिनेंगी; काम के लिए देने होंगे एक करोड़ रुपये

वाशिंगटन डी.सी, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने एच-1बी वीजा प्रोग्राम में सुधार के लिए किए जा रहे प्रशासनिक प्रयासों पर बात की है। इन प्रयासों का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि यह प्रोग्राम घरेलू पेशेवरों की जगह लेने के बजाय बेहतरीन काबिलियत वाले लोगों (टॉप-टियर टैलेंट) पर केंद्रित हो। लोकप्रिय बिजनेस और टेक्नोलॉजी शो 'ऑल-इन पॉडकास्ट' में बोलते हुए, वेंस ने राजनीतिक गतिरोध के कारण विधायी प्रक्रियाओं को दरकिनार करने के पीछे की वजह बताई। उन्होंने कहा, 'देखिए, हमने सिस्टम में हो रही धोखाधड़ी पर गौर किया और सोचा कि एक तो कांग्रेस इसे बदलने वाला कोई कानून पास नहीं करने वाली है। ऐसा करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति ही नहीं है। तो हम प्रशासनिक तौर पर क्या कर सकते हैं ताकि यह पक्का किया जा सके कि अगर कोई टेक कंपनी एच-1बी वीजा हासिल करने की कोशिश करे, तो वह व्यक्ति सच में जीनियस हो।'

इस पहल के मकसद को लेकर क्या बोले : इस पहल के मुख्य मकसद के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा, 'यह ऐसा व्यक्ति होगा, जो टेक इकोसिस्टम या अमेरिकी अर्थव्यवस्था को काफी बेहतर बनाएगा। आप जानते हैं, आप सिर्फ 60,000 डॉलर कमाने वाले एक अकाउंटेंट की जगह 45,000 डॉलर सालाना कमाने वाले कम वेतन वाले विदेशी अकाउंटेंट को नहीं रख रहे हैं। यह प्रोग्राम इस मकसद के लिए नहीं है। शुरू किए जा रहे खास वित्तीय और सुरक्षा उपायों पर जोर देते हुए उन्होंने कहा, 'इसलिए हमने 100,000 डॉलर का जुर्माना लगाने का विचार किया है। हम ऐसे तरीकों पर भी विचार कर रहे हैं जिनसे एच-1 बी वीजा का इस्तेमाल करने वाली कंपनियों को बड़ी संख्या में अमेरिकी कर्मचारियों को छंटनी करने से रोका जा सके। तो आप जानते हैं, मुझे इस बारे में एक बात बहुत हैरान करने वाली लगती है कि कोई कंपनी एच-1बी के लिए अप्लाई करती है और कहती है, 'अरे, हमें कर्मचारियों की बहुत जरूरत है।'

कंपनियों की भर्ती प्रक्रियाओं में मौजूद विरोधाभासों को उजागर करते हुए वेंस ने कहा, 'हमें कर्मचारी नहीं मिल रहे हैं। और फिर आप उनके इतिहास पर नजर डालें तो पता चलता है कि उन्होंने 5,000 लोगों को नौकरी से निकाल दिया है। यह तो अजीब बात है।' प्रशासन के कार्यबल विस्थापन पर रुख स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा, 'अगर आप अमेरिकी कर्मचारियों को निकाल रहे हैं, तो आपको उनकी जगह विदेशी कर्मचारियों की तलाश में बाजार नहीं जाना चाहिए। इसलिए हम कानूनी रूप से अनुमत सीमाओं के भीतर ही काम कर रहे हैं। इनमें से कुछ मामलों में हम पर मुकदमे भी हुए हैं, लेकिन मुझे लगता है कि मूल रूप से हम कानून और नीति दोनों के मामले में सही हैं। वीजा प्रोग्राम के मूल उद्देश्य को दोहराते हुए उन्होंने कहा, 'एच-1बी वीजा का उद्देश्य अमेरिकी कामगारों को कम वेतन वाले विदेशी कामगारों से बदलना नहीं होना चाहिए।

मक्का में पहली बार मिसाइल अटैक का इमरजेंसी अलर्ट : हूती विद्रोहियों ने सऊदी पर हमला किया; 2017 में भी मक्का की ओर आई थी मिसाइल

मक्का, एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों ने मंगलवार को सऊदी अरब पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए। इसके बाद सऊदी अरब ने मक्का में पहली बार इमरजेंसी अलर्ट जारी किया। सऊदी सिविल डिफेंस के मुताबिक, नेशनल अर्ली वार्निंग प्लेटफॉर्म ने अलर्ट जारी किया था। लोगों से ऊंची इमारतों से दूर रहने की अपील की गई। कुछ देर बाद सिविल डिफेंस ने बताया कि खतरा टल गया है। हालांकि, लोगों से भीड़ से दूर रहने और किसी घटना की वीडियो या फोटो नहीं बनाने की अपील की गई। मंगलवार सुबह जेद्दा और ताइफ में भी ऐसे ही इमरजेंसी अलर्ट जारी किए गए थे। इन्हें भी कुछ देर बाद वापस ले लिया गया। इससे पहले 27 जुलाई 2017 को हूती विद्रोहियों ने मक्का की तरफ बैलिस्टिक मिसाइल दागी थी। लेकिन मिसाइल को मक्का से करीब 69 किलोमीटर दूर अल-वसिलिया इलाके में नष्ट कर दिया गया था।

लोगों से अपील- खुले इलाकों में जाने से बचें : मक्का, जेद्दा और ताइफ में जारी अलर्ट में लोगों से कहा गया कि वे भीड़ और खुले इलाकों में जाने से बचें। लोगों से शांत रहने और किसी भी खतरे की स्थिति में तुरंत सुरक्षित जगह जाने की अपील की गई। लोगों को घर के अंदर रहने और खिड़कियों, बालकनी, छत, कांच और खुली जगहों से दूर रहने को कहा गया है। अगर कोई व्यक्ति घर से बाहर हो, तो उसे तुरंत पास की किसी बिल्डिंग में जाने या किसी मजबूत चीज की आड़ में छिपने और खतरा टलने तक वहीं रहने की सलाह दी गई है।

हूती हमलों में अब तक 86 लोग घायल : यह इमरजेंसी अलर्ट सऊदी अरब पर हूतियों के लगातार हमलों के बीच जारी किए गए हैं। सोमवार को हूतियों ने सऊदी शहरों खमिस मुशैत, अबहा और ताइफ की ओर कई मिसाइल और ड्रोन दागे थे। सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन के प्रवक्ता कर्नल तुर्की अल-मलिकी के मुताबिक, इन हमलों में कम से कम 13 नागरिक घायल हुए थे। मंगलवार को जारी बयान में अल-मलिकी ने कहा कि हूती विद्रोहियों ने जानबूझकर सऊदी नागरिकों को निशाना बनाने वाले हूतियों के हमलों को जानबूझकर किया गया हमला बताया। पिछले हफ्ते भी हूतियों ने सऊदी अरब पर मिसाइलों और ड्रोन की बड़ी संख्या में हमले किए थे। इनमें अबहा, खमिस मुशैत, जाजान और नजरान शहरों को निशाना बनाया गया था। इन हमलों में कम से कम 73 लोग घायल हुए थे। हमलों के बाद सऊदी अरब को कुछ ऊर्जा सुविधाओं का काम भी कुछ समय के लिए रोकना पड़ा था। ईरान से जुड़े हूतियों का आरोप है कि सऊदी अरब यमन में हवाई हमले कर रहा है और क्रूज मिसाइलें दाग रहा है। यमन के दक्षिणी और पश्चिमी हिस्सों में हूती लड़ाकों और सऊदी समर्थित सरकारी बलों के बीच भारी लड़ाई चल रही है। इसी बीच हूतियों ने यमन के पश्चिमी लाल सागर तट पर तेजी से अपना कब्जा बढ़ाया है।

एफबीआई की नौकरी के नियम बदले?: सीनेट में उठे सवाल, काश पटेल ने पीड़ितों का दिया हवाला

वाशिंगटन, एजेंसी। संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) निदेशक काश पटेल ने मंगलवार को एफबीआई के नौकरी से जुड़े नियमों में बदलाव का बचाव किया। ये बदलाव वेश्यावृत्ति और पशुओं के साथ यौन संबंध से जुड़े मामलों को लेकर किए गए हैं। पटेल ने कहा कि इन बदलावों का मकसद पीड़ितों की मदद करना है। ऐसे लोग भी एफबीआई में नौकरी के लिए आवेदन कर सकें। उन्हें अपने पुराने अनुभव की वजह से अपने आप नौकरी के लिए अयोग्य न माना जाए। एफबीआई ने इस साल बसंत में चुपचाप अपने नियम बदले थे। पहले वेश्यावृत्ति में शामिल रह चुके लोगों पर नौकरी को लेकर पूरी रोक थी। ऐसे लोग एफबीआई में नौकरी के लिए अयोग्य माने जाते थे। अब यह रोक हटा दी गई है। कुछ मामलों में एफबीआई अब पूरे मामले की परिस्थितियों को देखेगा। ब्यूरो ने पशुओं के साथ यौन संबंध से जुड़े मामलों में भी ऐसा ही बदलाव किया है।

काश पटेल ने नियम बदलने की वजह क्या बताई : सीनेट की न्यायपालिका समिति की सुनवाई में पटेल से इन बदलावों के बारे में सवाल पूछे गए। पटेल ने कहा कि इससे नौकरी के मानक कम नहीं हुए हैं। उन्होंने कहा कि बदलाव का मकसद पीड़ितों की रक्षा करना है। कुछ लोगों को जबरन ऐसे कामों में शामिल किया गया था। कुछ लोग मानव तस्करी के शिकार हुए थे। ऐसे लोगों को सिर्फ उनके साथ हुई घटना की वजह से नौकरी के लिए अपने आप अयोग्य नहीं ठहराया जाना चाहिए। पटेल ने कहा कि एफबीआई पशुओं के साथ यौन संबंध के पीड़ितों को सजा नहीं देना चाहता था। उन्होंने मानव तस्करी के पीड़ितों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एफबीआई नहीं चाहता था कि ऐसे मामले अपने आप नौकरी से अयोग्य होने की वजह बन जाएं।

जॉन कैनेडी ने क्यों उठाए सवाल : पटेल के जवाब से रिपब्लिकन सीनेटर जॉन कैनेडी संतुष्ट नहीं हुए। कैनेडी लुइसियाना से सीनेटर हैं। उन्होंने पटेल से इस बदलाव के पीछे की वजह पूछी। पटेल ने बताया कि यह सुझाव उनके अधीन काम करने वाले अधिकारियों ने दिया था। कैनेडी ने इस पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा कि पशुओं के साथ यौन संबंध से जुड़े नियम में बदलाव का सुझाव देने वाले व्यक्ति से पटेल ने ऐसा क्यों नहीं कहा कि वह किस ग्रह से आया है। पटेल ने जवाब दिया कि शुरुआत में उनकी प्रतिक्रिया भी कुछ ऐसी ही थी। लेकिन बाद में उन्होंने इसे पीड़ितों की मदद करने का एक तरीका माना। रिपब्लिकन पार्टी के नेतृत्व वाली समिति सुनवाई में पटेल के काम पर ध्यान देना चाहती थी। इसमें हिंसक अपराध से लड़ना शामिल था। ड्रग्स की तस्करी रोकना भी इसमें शामिल था।

पश्चिम एशिया तनाव: यूएस के हमले में ईरानी नावें तबाह; हूती लड़ाकों के हमलों के बीच सऊदी-मिस्र की नजदीकी बढ़ी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने मंगलवार को कहा कि उसने इस हफ्ते ईरान की दो छोटी नावों पर गोली चलाई। इसके बाद दोनों नावों को नष्ट कर दिया गया। सेना के मुताबिक, ये नावें ईरान के पास समुद्र में एक बिना चालक वाले जहाज को अपने कब्जे में लेने की कोशिश कर रही थीं। यह छह महीने से ज्यादा समय से जारी युद्ध में दोनों पक्षों के बीच हुई ताजा झड़प है। अमेरिकी सेना की मध्य कमान (सेंटकॉम) के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ईरानी नावों ने हाल ही में एक अमेरिकी बिना चालक वाले समुद्री जहाज को अपने कब्जे में लेने की कोशिश की थी। लेकिन वे इसमें सफल नहीं हुईं। अमेरिकी सेना ने इसका कड़ा जवाब दिया।

ईरान के सरकारी मीडिया ने सोमवार को अलग जानकारी दी। उसने बताया कि ईरान के दक्षिणी तट पर होर्मोजगान प्रांत में मछली पकड़ने वाली दो नावों पर हमला हुआ। एक प्रांतीय अधिकारी के हवाले से कई मछुआरे लापता बताए गए। यह छह महीने से ज्यादा पुराने युद्ध में हुई ताजा गोलीबारी है। दोनों पक्ष होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण चाहते हैं। यह दुनिया के लिए एक बेहद अहम ऊर्जा और तेल परिवहन मार्ग है। अमेरिका ने हाल के हफ्तों में इस मार्ग पर ईरान की पकड़ कुछ हद तक कमजोर की है। लेकिन इस

युद्ध का असर तेल और पेट्रोल की कीमतों पर पड़ा है। कीमतें बढ़ी हैं। यह संघर्ष अमेरिका में भी राजनीतिक समस्या बन रहा है। नवंबर में अमेरिकी कांग्रेस के मध्यावधि चुनाव होने हैं। ऐसे में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनकी रिपब्लिकन पार्टी पर दबाव बढ़ रहा है। ट्रंप ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया। उन्होंने कहा कि जैसे ही ईरान के साथ सैन्य संघर्ष खत्म होगा, तेल की कीमतें तेजी से गिरेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि संघर्ष जल्द खत्म हो जाएगा। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने मंगलवार को ओमान के विदेश मंत्री से फोन पर बात की। अमेरिकी विदेश विभाग ने यह जानकारी दी। दोनों के बीच खाड़ी के अरब देश ओमान की कोशिशों पर चर्चा हुई। ओमान तनाव कम करने और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की कोशिश कर रहा है।

हूती और सऊदी अरब के बीच संघर्ष बढ़ा : ईरान के समर्थन वाले यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के खिलाफ हमले बढ़ा दिए हैं। इन हमलों का असर तेल की दुनिया पर भी पड़ा है।

हूती विद्रोही सऊदी अरब के जहाजों और बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहे हैं। पश्चिम एशिया के संघर्ष में यह एक नया मोर्चा बन गया है। इससे सऊदी अरब के लिए अपना तेल दुनिया तक पहुंचाना मुश्किल हो गया है। कुछ दूसरे रास्ते भी प्रभावित हुए हैं। कुछ मार्ग पूरी तरह बंद हो गए हैं। कुछ दिन पहले सऊदी अरब की सबसे बड़ी तेल पाइपलाइन पर भी हमला हुआ था। इस हमले में पाइपलाइन को नुकसान पहुंचा। हूती विद्रोहियों की ताकत भी बढ़ी है। इससे उनके लिए लाल सागर के रास्ते सऊदी तेल के निर्यात को रोकना आसान हो सकता है। इस युद्ध का असर सिर्फ तेल पर नहीं पड़ा है। इससे दुनिया की अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ा है। वाशिंगटन से आई नई रिपोर्ट्स में युद्ध पर अमेरिका के खर्च की जानकारी दी गई है। इनमें मिसाइलों को रोकने वाली उन्नत मिसाइलों के भंडार में कमी की जानकारी भी है। अमेरिकी विमानों, सैन्य ठिकानों और राजनयिक ठिकानों को हुए नुकसान का भी जिक्र है। गैर-दलीय कांग्रेस बजट कार्यालय यानी सीबीओ ने मंगलवार को एक रिपोर्ट जारी की।

क्रिकेटर पृथ्वी शॉ की सगाई टूटी

मंगेतर आकृति अग्रवाल ने अलग होने की घोषणा की

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ की पेशेवर जिंदगी के साथ-साथ निजी जिंदगी भी मुश्किलों से गुजर रही है। पृथ्वी एक बार फिर से अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। पृथ्वी की मंगेतर आकृति अग्रवाल ने सोशल मीडिया के माध्यम से उनसे अलग होने की जानकारी साझा की है। आकृति ने इंस्टाग्राम के जरिए पृथ्वी शॉ से अलग होने की जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'भारी मन से, मैं यह बताना चाहती हूं कि मेरे मंगेतर और मैंने अपने भविष्य के लिए अलग-अलग लक्ष्यों और हालात की वजह से अलग होने का फैसला किया है। हम एक-दूसरे से जितना प्यार और परवाह करते हैं, हमने यह मान लिया है कि हमारे रास्ते साथ रहने के लिए नहीं बने हैं। अपनी जिम्मेदारियों और अभी जिन हालात का हम सामना कर रहे हैं, उन्हें देखते हुए हमने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। ' आकृति ने आगे लिखा, 'मैं सच में हम दोनों के लिए आगे बढ़ने के लिए सबसे अच्छी शांति और खुशी की कामना करती हूं। मैं सभी से अनुरोध करती हूं कि इस मुश्किल समय में हमारी निजता का सम्मान करें और हमारे फैसले के पीछे के कारणों के बारे में अंदाजा लगाने से बचें। हमारी जगह को समझने और उसका सम्मान करने के लिए धन्यवाद। '

पृथ्वी शॉ और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और अभिनेत्री आकृति अग्रवाल ने 8 मार्च, 2026 को सगाई की थी। पिछले कुछ दिनों से दोनों के रिश्तों में खटास की खबरें आ रही थीं। आकृति के सोशल मीडिया पोस्ट ने उस पर मुहर लगा दी है।

26 साल के पृथ्वी शॉ को एक समय भारतीय क्रिकेट का अगला तेंदुलकर माना जा रहा था। 2018 में मात्र 18 साल की उम्र में शॉ ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू किया था और शतक लगाया था। हालांकि, बाद में उनके फॉर्म में गिरावट आई और वे टीम से बाहर हो गए। फिलहाल उन्हें घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में भी अपनी जगह के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

डब्ल्यूबीबीएल के 12वें सीजन में भी मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए खेलेंगी डिएंड्रा डॉटिन

मेलबर्न । आगामी विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) सीजन से पहले मेलबर्न रेनेगेड्स को बड़ी राहत मिली है। वेस्टइंडीज की स्टार ऑलराउंडर डिएंड्रा डॉटिन ने एक और सीजन टीम रेनेगेड्स की तरफ से खेलने की पुष्टि की है। टी20 क्रिकेट की सबसे दमदार ऑलराउंडरों में से एक मानी जाने वाली डॉटिन डब्ल्यूबीबीएल 11 में टीम के सभी मैचों में खेलने के बाद रेनेगेड्स के साथ अपना तीसरा सीजन शुरू करेंगी। उनकी वापसी रेनेगेड्स द्वारा वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर हेली मैथ्यूज के साथ फिर से करार करने के बाद हुई है।

इस जोड़ी ने डब्ल्यूबीबीएल 10 में मेलबर्न की पहली डब्ल्यूबीबीएल खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी और अब आगामी सीजन के लिए वे फिर से एक साथ (रेड जर्सी में) खेलेंगी। चोट के कारण मैथ्यूज डब्ल्यूबीबीएल के 11वें सीजन नहीं खेल पाई थीं, जबकि डॉटिन रेनेगेड्स के अभियान का अहम हिस्सा बनी रहीं।

मेलबर्न रेनेगेड्स के हाई परफॉर्मेंस मैनेजर क्लिंट मैके ने डॉटिन की वापसी का स्वागत करते हुए कहा कि वेस्टइंडीज की यह स्टार खिलाड़ी टीम में काफी अनुभव और मैच जिताने की काबिलियत लाएगी। मैके ने कहा, डिएंड्रा दुनिया की सबसे असरदार खिलाड़ियों में से एक हैं और हम मेलबर्न रेनेगेड्स में उनकी वापसी का स्वागत करते हुए बहुत खुश हैं।

चोट से वापसी के बाद आत्मविश्वास की जरूरत होती है: नीतीश रेड्डी

नई दिल्ली । अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में चोट से वापसी कर रहे नीतीश कुमार रेड्डी को एक बड़ा बूस्ट मिला। नीतीश ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट अपने नाम किए, जिसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' भी चुना गया। सीरीज के पहले मैच में औसत प्रदर्शन के बाद, नीतीश ने कहा कि दूसरे मैच में मिले अच्छे प्रदर्शन से उन्हें वह आत्मविश्वास

मिला जिसकी उन्हें वापसी के दौरान जरूरत थी। नीतीश ने बुधवार को बीसीसीआई के एक वीडियो में कहा, 'बहुत अच्छा लग रहा है। चोट से वापसी करने वाले हर खिलाड़ी को आत्मविश्वास की जरूरत होती है। सच कहूं तो, पहला मैच मेरे लिए उतना अच्छा नहीं रहा था, लेकिन दूसरे मैच में अपने प्रदर्शन से बहुत खुश हूं, क्योंकि किसी भी खिलाड़ी को ऐसे आत्मविश्वास की जरूरत होती है और मुझे उम्मीद है कि मैं इस आत्मविश्वास को आगे भी बनाए रखूंगा।' नीतीश ने 24 रन देकर 3 विकेट चटकाए। उन्होंने अहम भूमिका निभाते हुए भारत को अफगानिस्तान को 159/8 पर रोकने और फिर 7 विकेट शेष रहते हुए लक्ष्य हासिल करने में मदद की। 22 वर्षीय खिलाड़ी का यह शानदार प्रदर्शन ऐसे समय आया, जब उन्होंने हाल ही में बताया था कि फिटनेस हासिल करने के लिए उन्होंने बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में कड़ी मेहनत की थी।

सिंधु का नाम कोरिया ओपन सुपर सीरीज जीतने वाली पहली भारतीय शटलर के रूप में दर्ज है।

2017 में कोरिया ओपन सुपर सीरीज जीतने वाली

सिंधु बनीं भारत की पहली खिलाड़ी

नई दिल्ली । भारतीय बैडमिंटन की दुनिया में मौजूदा समय का सबसे बड़ा नाम पीवी सिंधु का है। सिंधु ने अपने बेहतरीन खेल की वैश्विक मंचों पर सफलता हासिल करते हुए देश का नाम रोशन किया है। दो ओलंपिक पदक जीत चुकी सिंधु का नाम कोरिया ओपन सुपर सीरीज जीतने वाली पहली भारतीय शटलर के रूप में दर्ज है। 17 सितंबर 2017 को पीवी सिंधु कोरिया ओपन सुपर सीरीज जीतने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बनी थीं। सिंधु ने फाइनल में जापान की नोजोमी ओकुहारा को एक घंटे 24 मिनट तक चले मुकाबले में 22-20, 21-11 और 21-18 से हराकर खिताब जीता था। 1991 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट के 26 साल के इतिहास में सिंधु भारत की तरफ से पहली विजेता बनी थीं। हालांकि, इस सफलता से पहले ही सिंधु अपना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक सफल बैडमिंटन खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर चुकी थीं।

5 जुलाई 1995 को हैदराबाद में जन्मी सिंधु ने बैडमिंटन की दुनिया में बड़ी सफलता हासिल की है। वह भारत की सबसे सफल बैडमिंटन खिलाड़ी के रूप में प्रतिष्ठित हैं। सिंधु की उपलब्धियों पर गौर करें तो उन्होंने 2016 रियो ओलंपिक में रजत और 2020 टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। 2019 में वह महिला एकल में विश्व चैंपियन रही थीं। 2018 और 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। सिंधु ने 2018 एशियन गेम्स में रजत और 2014 एशियन गेम्स में कांस्य पदक जीता था। वह बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियन बनने वाली पहली और इकलौती भारतीय हैं और ओलंपिक गेम्स में लगातार दो मेडल जीतने वाली भारत की दूसरी व्यक्तिगत खिलाड़ी हैं। 31 साल की सिंधु का एक बैडमिंटन खिलाड़ी के तौर पर सफर अभी भी जारी है। भारत सरकार पीवी सिंधु को बैडमिंटन के क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए खेल रत्न, अर्जुन पुरस्कार, पद्मभूषण, और पद्मश्री से सम्मानित कर चुकी है।

एशियन गेम्स 2026

फातिमा सना की कप्तानी पारी

थाईलैंड को हराकर पाकिस्तान ने कटाया सेमीफाइनल का टिकट

निशिन । पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान ने थाईलैंड को 3 विकेट से हराया। झमाझम बारिश के चलते गीली आउटफील्ड के कारण इस मैच को 11-11 ओवर का किया गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए थाईलैंड की बल्लेबाजों का प्रदर्शन दमदार रहा। उन्होंने 11 ओवर में 4 विकेट खोकर 91 रन

स्कोरोबोर्ड पर लगाए। टीम की तरफ से नानापत कोंचारोएनकाई ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 38 गेंदों में 49 रनों की दमदार पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 7 चौके लगाए। वहीं, फन्निता माया ने 16 गेंदों में 15 रन बनाए, जबकि कप्तान नारुएमोल चाईवाई ने 3 गेंदों में 10 रन बनाए। पाकिस्तान की ओर से गेंदबाजी में कप्तान फातिमा सना का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने 3 ओवर के स्पेल में 22 रन देकर 2 विकेट चटकाए, जबकि नशरा संधू ने एक विकेट अपने नाम किया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम को गुल फिरोजा और शवाल जुल्फिकार ने धमाकेदार शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए सिर्फ 3.5 ओवर में 36 रन जोड़े। फिरोजा 13 गेंदों में 16 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं, जुल्फिकार ने 178 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 14 गेंदों में 3 चौके और एक छक्के की मदद से 25 रन बनाए। आयशा जाफर बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और एक रन बनाकर आउट हुईं। पाकिस्तान का बल्लेबाजी क्रम अचानक से बुरी तरह से लड़खड़ा गया और टीम ने 11 रन जोड़कर अपने 4 विकेट गंवा दिए।

6 शतक और 500 से अधिक विकेट लेने वाले इकलौते खिलाड़ी

नई दिल्ली, । भारत के दिग्गज स्पिनर्स का जब जिक्र होता है, तो उस लिस्ट में रविचंद्रन अश्विन का नाम भी शान से लिया जाता है। अश्विन ने अपने इंटरनेशनल करियर में वो तमाम उपलब्धियां हासिल कीं, जिसका सपना एक क्रिकेटर देखता है। अश्विन टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 250 और 300 विकेट पूरे करने वाले गेंदबाज रहे।

अश्विन का जन्म 17 सितंबर, 1986 को चेन्नई में हुआ। अश्विन के पिता खुद एक मध्यम गति के गेंदबाज थे और पिता को देखकर ही अश्विन क्रिकेट से परिचित हुए। धीरे-धीरे अश्विन का लगाव क्रिकेट के प्रति बढ़ता चला गया। अश्विन अपने करियर की शुरुआत में सलामी बल्लेबाज हुआ करते थे।

हालांकि, 14 वर्ष की उम्र में अश्विन बुरी तरह से चोटिल हो गए थे, जिसके कारण उन्हें काफी समय तक क्रिकेट से दूर रहना पड़ा। इसके बाद अश्विन ने क्रिकेट के मैदान पर वापसी की, तो सलामी बल्लेबाज की

जगह भर चुकी थी। मां के कहने पर अश्विन ने स्पिन गेंदबाजी में हाथ आजमाए और जल्द ही वह इसमें रम गए।

अश्विन ने इसके बाद घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। साल 2010 में उन्हें भारतीय टीम से बुलावा आया। जिम्बाब्वे के खिलाफ अश्विन ने वनडे फॉर्मेट में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया। इसी साल उन्होंने अपना टी20 इंटरनेशनल डेब्यू किया। वहीं, क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में अश्विन को डेब्यू करने का मौका 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ मिला। अश्विन ने अपनी बेहतरीन गेंदबाजी के बूते जल्द ही भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की कर ली।

अश्विन विश्व कप 2011 में चैंपियन बनी भारतीय टीम का हिस्सा भी रहे। वहीं, 2013 में उन्होंने एमएस धोनी की कप्तानी में टीम इंडिया को चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जिताने में भी अहम भूमिका निभाई। अश्विन ने भारत के लिए खेले 106 टेस्ट मैचों में कुल 537 विकेट चटकाए।

पाकिस्तान का नया ड्रामा

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए हॉकी टीम को भारत भेजने से किया इनकार, न्यूट्रल वेन्यू की मांग

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने भारत के साथ 'संवेदनशील द्विपक्षीय स्थिति' का हवाला देते हुए बुधवार को एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) के लिए अपनी पुरुष राष्ट्रीय हॉकी टीम को भारत भेजने से इनकार कर दिया। साथ ही पाकिस्तान की तरफ से एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) से टूर्नामेंट या उसके सभी मुकाबलों को न्यूट्रल वेन्यू पर स्थानांतरित करने का अनुरोध किया। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने कहा कि वह पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान की निर्बाध और पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए तटस्थ स्थल चाहता है। बता दें कि यह टूर्नामेंट 27 अक्टूबर से पांच नवंबर तक मोहाली और जालंधर में आयोजित किया जाएगा। पीएचएफ के अंतरिम अध्यक्ष मोहिउद्दीन अहमद वानी ने एक बयान में कहा कि उन्होंने पूरे टूर्नामेंट या पाकिस्तान के सभी मुकाबलों को न्यूट्रल वेन्यू पर स्थानांतरित करने का अनुरोध किया है।

इशान किशन नंबर 1

अभिषेक शर्मा टॉप-5 में, 2026 में इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा 6 लगाने वाले फुल मेंबर्स टीम के शीर्ष-10 बैटर

नई दिल्ली। भारतीय टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज इशान किशन ने अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की टी20 सीरीज के पहले दो मैचों में काफी अच्छी बल्लेबाजी की और साल 2026 में इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले (ये आंकड़े आईसीसी के फुल मेंबर्स टीम के खिलाड़ियों के ही हैं) बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए। इशान किशन ने इस मामले में शिमरोन हेटमायर को पीछे छोड़ दिया जबकि इस लिस्ट में अभिषेक शर्मा टॉप-5 में शामिल हैं। इशान किशन ने साल 2026 में अब तक क्रिकेट के तीनों प्रारूपों (टेस्ट,वनडे,टी20आई) को मिलाकर कुल 30 मैच खेले हैं और इन मैचों में उन्होंने 52 छक्के लगाए हैं और वो खबर लिखे जाने तक इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए हैं।

ज्यादा छक्के

इशान किशन- 52 छक्के
शिमरोन हेटमायर- 50 छक्के
हैरी ब्रुक- 48 छक्के
अभिषेक शर्मा- 42 छक्के
डेवाल्ड ब्रेविस- 37 छक्के
शिवम दुबे- 34 छक्के
कॉनर एस्टरहुइजेन- 32 छक्के
संजू सैमसन- 32 छक्के
दासुन शनाका- 30 छक्के
तंजीद हसन- 30 छक्के
शेरफेन रदरफोर्ड- 28 छक्के
फिन एलन- 26 छक्के

कभी-कभी मेरे अंदर का लठैत जाग उठता है

कद्दावर अभिनेता मनोज बाजपेयी करीब तीन दशकों से अपनी भूमिकाओं के साथ -नित नए प्रयोग करते जा रहे हैं। मनोरंजन के नए डायनामिक्स के साथ भी उन्होंने कदमताल करना सीखा, यही वजह है कि सिनेमा के साथ - साथ वे ओटीटी का भी बड़ा चेहरा बन गए। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म 'लास्ट मैन इन टावर' को लेकर।

तीस सालों से भी ज्यादा का सफर तय कर चुके मनोज बाजपेयी सोशल मीडिया पर अच्छे-खासे एक्टिव हैं, मगर वे यहां होने वाली उठापटक से कितना प्रभावित होते हैं? उनके लिए लाइक्स, कमेंट्स और व्यूज कितना मायने रखते हैं? इस पर वे कहते हैं, 'मैं लाइक्स और कमेंट्स नहीं देखता। अब इतने साल बाद मुझे ये देखना पड़े तो लानत है मेरे काम, मेरी तीस साल की जर्नी पर'।

जिस स्थिति से गुजरा मैं ही जानता हूं

उन जैसे सोबर अभिनेता को क्या कभी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा? इस पर वे तपाक से कहते हैं, 'बिलकुल, हाल-फिलहाल कुछ ही महीने पहले जब मेरी एक फिल्म के टाइटल (घूसघोर पंडित) को लेकर विवाद हुआ, उस पर जो धमकियां और जान की धमकी मिली और मैं जिस स्थिति से गुजरा मैं ही जानता हूं। क्योंकि उस फिल्म का चेहरा मैं हूं, तो मुझे ये सब सहना पड़ा। खैर अब तो फिल्म का शीर्षक बदल दिया गया है। अब क्या है न कि आप कोई भी फिल्म बना रहे हो, कोई भी क्रिएटिव काम कर रहे हो, तो उसके विरोध के स्वर कहीं से भी आ सकते हैं। आज के दौर में ट्रोलिंग बहुत आसान है। कोई भी कहीं से कुछ भी बोल सकता है। अगर आपको गाली देना हो तो बड़े से बड़े लोग भी अछूते नहीं हैं।'

ट्रोलिंग को हैंडल करने के मसले पर वे कहते हैं, 'या तो आप उसको गंभीरता से लीजिए या ये समझिए कि कुछ लोग हैं, जो आपको अपने स्तर पर लाना चाहते हैं, ताकि आप ऐसे जवाब दें, रिएक्ट करें। जाहिर है आप उनके स्तर पर नहीं जाना चाहेंगे। आप अपने जीवन में कितने ऐसे लोगों से बातचीत करते हैं? जो लोग जहीन लोग हैं, जो पढ़ते-लिखते हैं, जो अच्छा देखते हैं, जिनके साथ ज्ञान मिलता है, हम उनके साथ उठते-बैठते हैं। बाकी समय परिवार को जाता है, तो मैं कभी जवाब नहीं देता। मगर कभी-कभी मेरे अंदर का गांव का जो लठैत है, वो अंदर से बाहर आना चाहता है। फिर मैं कहता हूं, मनोज यार, किस-किस के मुंह लगोगे? जो आदमी अभी उठा होगा, जो अपने पिताजी से पैसे मांगने वाला होगा कि आज जरा फिल्म देखने जाना है या मुझे आइसक्रीम खानी है या अपने पिताजी को बेवकूफ बनाना चाह रहा होगा कि कैसे भी पैसे हड़प कर लूं। वो आपको गाली दे रहा है। एक आदमी जो 18 साल की उम्र में घर से बाहर निकल गया, आप अब उसको गाली दे रहे हो, इतना काम करने के बाद। अगर उसको इतनी भी शर्म नहीं, तो क्या ही कहें? मुझे तो छोड़िए, ये बड़े से बड़े लोगों को गाली देते हैं। ऐसे लोगों के मुंह क्या लगना?'

हर बार विरासत हार रही है

उनकी हालिया फिल्म में 'विरासत वर्सेज डेवलपमेंट' की लड़ाई दिखाई गई है। इस मुद्दे पर वे कहते हैं, 'विकास बनाम विरासत, विकास बनाम यादें, ये लड़ाई बहुत पुरानी है और हर बार जो है, विरासत हार रही है। धरती बदल रही है और आधुनिकता के नाम पर जिस तरह के कंस्ट्रक्शन हो रहे हैं, उसमें हम अपनी मिट्टी और विरासत की पहचान कायम नहीं रख पा रहे हैं। सीधी-सी बात है, हमारे एयरपोर्ट्स और स्टेशन हमारी 700, 600 या 1000 साल पुरानी वास्तुकला से प्रेरणा लेकर क्यों नहीं बन सकते? क्यों हमेशा वो मैनहैटन या न्यूयॉर्क का एयरपोर्ट ही लगें? ये बात मुझे आज तक समझ नहीं आई। हर जगह की अपनी पहचान है। अमेरिका की अपनी और हिंदुस्तान की अपनी। राजस्थान में कुछ बन रहा है तो उसमें राजस्थान क्यों नहीं दिखना चाहिए? विकास बनाम विरासत की ये लड़ाई बहुत पुरानी है और इस फिल्म में भी यही संघर्ष है। एक तरफ मास्टर जी हैं, जो अपनी यादों और विरासत को बचाए रखना चाहते हैं, दूसरी तरफ वे लोग हैं जिनकी जरूरतें बढ़ गई हैं और उनके लिए विकास जरूरी है। ये कहानी 50 साल पुरानी नहीं, आज हमारे आस-पास चल रही लड़ाई है।'

संदीपा धर ने अपनी फीमेल को-स्टार्स के साथ अपनी खास बॉन्डिंग के बारे में बात की

'चुंबक' जहां पर्दे पर हंसी, मनोरंजन और शानदार परफॉर्मेंस का वादा करता है, वहीं संदीपा धर के लिए यह प्रोजेक्ट उनकी जिंदगी में इससे भी खास चीज लेकर आया है, और वो है एक खूबसूरत और हमेशा साथ रहने वाला बहनों जैसा रिश्ता। अभिनेत्री ने हाल ही में शो की अपनी फीमेल को-स्टार्स के साथ अपनी खास बॉन्डिंग के बारे में बात करते हुए बताया कि 'चुंबक' के दौरान बनी दोस्ती अब सिर्फ काम तक सीमित नहीं रही, बल्कि एक मजबूत रिश्ते में बदल चुकी है।

अपनी फीमेल को-स्टार्स के साथ बॉन्डिंग को लेकर संदीपा ने कहा, ''चुंबक' ने मुझे सिर्फ बेहतरीन को-स्टार्स ही नहीं दिए, बल्कि एक ऐसा बहनों जैसा रिश्ता भी दिया है, जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगी। नीना मैम, डेलनाज, मानसी, हेली, अमायरा और मैं खुद को गर्व से 'गर्ल गैंग' कहते हैं। सच पूछिए तो इंडस्ट्री में शूटिंग और काम के बीच समय निकालना आसान नहीं होता, लेकिन हम सभी एक-दूसरे के लिए समय निकालने की पूरी कोशिश करते हैं। कभी ब्रंच, कभी डिनर, तो कभी बस साथ बैठकर घंटों बातें करना, ये छोटे-छोटे पल हमारे लिए बहुत मायने रखते हैं।

इस ग्रुप में इतना प्यार, सपोर्ट, हंसी-मजाक और अपनापन है कि यह परिवार जैसा महसूस होता है। मैं खुश हूं कि 'चुंबक' मेरे जीवन में इन शानदार महिलाओं को लेकर आया। मुझे पूरा यकीन है कि कैमरे बंद होने के बाद भी ये रिश्ता हमेशा मेरे साथ रहेंगी।'

संदीपा की ये बातें 'चुंबक' की महिला कलाकारों के बीच साझा की जाने वाली सच्ची दोस्ती और बॉन्डिंग की झलक देती हैं, जो अपने व्यस्त शेड्यूल के बावजूद यह गर्ल गैंग एक-दूसरे के लिए समय निकालना नहीं भूलती। संदीपा की ये बाते, ये भी दिखाती हैं कि साथ काम करते हुए बने कुछ रिश्ते जिंदगी भर के लिए खास बन जाते हैं।

काउगर्ल्स एंड इंडियंस में दिखाई देंगी मनीषा

मनीषा कोइराला एक बार फिर अपनी एक्टिंग से दर्शकों का ध्यान खींचने के लिए तैयार हैं। संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी : द डायमंड बाजार' में नजर आने के बाद अब मनीषा एक अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट का हिस्सा बन गई हैं। वह हॉलीवुड की इंडिपेंडेंट फिल्म 'काउगर्ल्स एंड इंडियंस' में मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग इसी साल नवंबर में अमेरिका के टेक्सास राज्य के ऑस्टिन और उसके आसपास के इलाकों में शुरू होने वाली है। इस फिल्म का नाम पहले 'काउबॉयज एंड इंडियंस' रखा गया था। बाद में इसका नाम बदलकर 'काउगर्ल्स एंड इंडियंस' कर दिया गया। फिल्म का लेखन और निर्देशन तेजल देसाई कर रही हैं। वह निकोल फेलो भी रह चुकी हैं। फिल्म का निर्माण किर्ताना बंसकोटा कर रही हैं। फिल्म की कहानी अमेरिका के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से की पृष्ठभूमि में रखी गई है। यहां एक भारतीय महिला अपनी जिंदगी, अपनी जड़ों और आसपास के लोगों के साथ अपने रिश्तों को समझने की कोशिश करती है। कहानी में सांस्कृतिक बदलाव, अकेलापन, दोस्ती और खुद को स्वीकार करने जैसे पहलुओं को जगह दी गई है।

आशा के किरदार में नजर आएंगी मनीषा

मनीषा फिल्म में 'आशा' नाम की महिला का किरदार निभाएंगी। आशा एक अधेड़ उम्र की भारतीय महिला है, जो अमेरिकी माहौल में अपनी पहचान को लेकर कई तरह के सवालों से गुजरती है। वह अपने जीवन के ऐसे दौर में पहुंच चुकी है, जहां उसे अपने बारे में कई चीजों को नए नजरिए से देखना पड़ता है। कहानी सिर्फ एक भारतीय महिला के अमेरिका पहुंचने या वहां रहने की नहीं है, बल्कि यह उसके अंदर चल रहे बदलावों पर भी ध्यान देती है। अलग संस्कृति और अलग माहौल के बीच वह नए लोगों से मिलती है और कुछ ऐसी दोस्तियां बनती हैं, जिनकी उसने शायद पहले कल्पना भी नहीं की थी।

रोहित रॉय पर भड़की देवोलीना

अभिनेता रोहित रॉय ने टीवी को 'कूड़ेदान जैसा माध्यम' कहकर चर्चा छेड़ दी है। रोहित ने कहा कि फिल्म स्टार्स में एक खास तरह का स्टाइल और क्लास होता है जो अक्सर टेलीविजन कलाकारों में नहीं दिखता। इस पर अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी ने रोहित रॉय की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर लोग उन्हें सिर्फ रोनित रॉय के भाई के तौर पर जानते हैं।

देवोलीना ने रोहित रॉय से पूछा सवाल

रोहित रॉय की बातों पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए अभिनेत्री ने कहा कि रोहित उसी माध्यम का अपमान कर रहे थे, जिसने उन्हें काम और पहचान दी। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि अगर वह टेलीविजन के बारे में इतना बुरा सोचते थे, तो इतने वर्षों तक इसका हिस्सा क्यों बने रहे। देवोलीना ने बातचीत में कहा, 'लोगों की एक अजीब आदत होती है कि वे उसी हाथ को काटते हैं जो उन्हें खिलाता है। उसी थाली में छेद करते हैं जिसमें वह खाते हैं। उनकी बातें बिल्कुल वैसी ही लग रही हैं। फिल्मों की तो बात छोड़िए, सच कहूं तो मुझे यह भी याद नहीं कि वह किस टीवी सीरीज में थे। सच कहूं तो, ज्यादातर लोग उन्हें सिर्फ रोनित रॉय के भाई के तौर पर जानते हैं। अगर टीवी इतना ही बुरा था, तो उन्होंने इतने वर्षों तक इसका हिस्सा बने रहने का फैसला क्यों किया? अब वह उसी माध्यम को 'डस्टबिन' कह रहे हैं।'

क्या रोहित कर रहे बॉलीवुड स्टार्स पर तंज

देवोलीना ने यह भी कहा कि रोहित की बातों को उन बॉलीवुड एक्टर्स पर तंज के तौर पर देखा जा सकता है जो अक्सर टेलीविजन पर आते हैं। उन्होंने कहा, 'आज हर बड़ा बॉलीवुड स्टार अपनी फिल्मों को प्रमोट करने, रियलिटी शो होस्ट करने और दर्शकों से जुड़े रहने के लिए टेलीविजन पर आता है। क्या वह यह कहना चाह रहे हैं कि वे सभी 'डस्टबिन मीडियम' में काम कर रहे हैं? यह बस उसी इंडस्ट्री को नीचा दिखाकर ध्यान खींचने की एक हताश कोशिश लगती है जिसने उन्हें बनाया है।'

टीवी को 'कूड़ेदान जैसा माध्यम' बोले थे रोहित रॉय

रोहित रॉय ने बातचीत में कहा था कि मुझसे यह सवाल कई बार पूछा गया है और कभी-कभी मुझे लगता है कि मुझे एहसान-फरामोश नहीं लगना चाहिए। मगर टेलीविजन एक 'डस्टबिन मीडियम' है। आप इसे आज देखते हैं, यह कल के अखबार जैसा होता है। कल आप इसे भूल जाते हैं। इसलिए भारत में दुर्भाग्य से जिस तरह का और जितना कंटेंट बनाया जा रहा है, उसमें शायद ही कोई क्रिएटिविटी होती है।'

...अब विलेन वाली भूमिकाओं से दूरी बनाना चाहते हैं सैफ अली खान

पिछले कुछ सालों में ताना जी के उदयभान, आदिपुरुष के लंकेश, देवरा 1 के भैरवा जैसे नकारात्मक किरदारों के लिए सुर्खियां बटोरने वाले ऐक्टर सैफ अली खान अब विलेन वाली भूमिकाओं से थोड़ी दूरी बनाना चाहते हैं। ऐसे में, अपनी अगली फिल्म हैवान में एक अंधे म्यूजिशियन और मार्शल आर्टिस्ट के चुनौतीपूर्ण रोल को लेकर वह उत्साहित हैं। सैफ अली खान ने अपनी इस फिल्म को लेकर बातें करते हुए कहा कि वह अभी कुछ समय के लिए हीरो के रोल ही करना चाहते हैं। अपनी इस फिल्म में अपने रोल को लेकर बातें की जिसमें वो देख नहीं पाते हैं।

सैफ अली खान ने कहा, ' मैं अभी नेगेटिव रोल से थोड़ा ब्रेक लेना चाहता हूं। तब मैं बतौर ऐक्टर ऐसे किरदार एक्सप्लोर करना चाहता था, मगर अभी कुछ समय के लिए हीरो के रोल ही करना चाहूंगा।' सैफ हैवान के अपने किरदार को बहुत ही खास मानते हैं। वह कहते हैं, 'मैंने अब तक ज्यादातर जो रोल किए हैं, उनके प्रति सहानुभूति नहीं होती। वे या तो मजबूत हैं या प्रिविलेज्ड हैं या नेगेटिव, तो उनके लिए दुख महसूस नहीं होता, जबकि इसके लिए आपके मन से आह निकलती है, जो मेरे लिए बहुत अलग और नई बात थी और मैंने इसी इमोशन को निचोड़ा है।' उन्होंने आगे कहा था, 'हांलांकि, अंधे का रोल करना बहुत चुनौतीपूर्ण था। ऊपर से वो बच्चों को म्यूजिक, मार्शल आर्ट, रेसलिंग भी सिखाते हैं, तो मुझे स्ट्रेस था कि वो नकली न लगे लेकिन मेरे दिमाग में जैपनीज समुराई फिल्में थीं। वे काफी ऐसी फिल्में बनाते हैं कि एक अंधा आदमी कैसे सुनकर महसूस करते हैं, फाइट भी कर सकते हैं, तो वे फिल्में देखकर मुझमें कंविक्शन था कि मैं भी ऐसा कर सकता हूं।'

टेलीविजन से बॉलीवुड तक अभिनेत्री प्राची देसाई ने बनाई खास पहचान

हिंदी फिल्म और टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक प्राची देसाई का जन्म गुजरात के सूरत में हुआ था। उनके पिता का नाम निरंजन देसाई है, जो कि पेशे से कॉलेज प्रोफेसर हैं और मां का नाम अमिता देसाई है। वहीं, उनकी एक बहन भी है, जिनका नाम ईशा देसाई है। प्राची ने अपनी स्कूलिंग महाराष्ट्र के पंचगनी के सेंट जोसेफ कॉन्वेंट से पूरी की। इसके बाद उन्होंने पुणे के सिंहगढ़ कॉलेज से ग्रेजुएशन की डिग्री प्राप्त की। प्राची को शुरू से ही एक्टिंग में रुचि थी। इसलिए उन्होंने पढ़ाई पूरी करने के बाद एक्टिंग की ओर रुख किया। प्राची देसाई ने एकता कपूर के लोकप्रिय टीवी शो 'कसम से' अपने अभिनय करियर की शुरुआत की, जिसमें उनके अपोजिट राम कपूर थे। इस सीरियल में उन्होंने बानी दीक्षित वालिया का मुख्य किरदार निभाया था, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया और उन्हें घर-घर में जबरदस्त पहचान मिली।

टेलीविजन इंडस्ट्री में जबरदस्त पहचान बनाने के बाद अभिनेत्री ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू वर्ष 2008 में अभिषेक कपूर के द्वारा डायरेक्ट की गई फिल्म 'रॉक ऑन' से किया। इस फिल्म में उनके साथ फरहान अख्तर, अर्जुन रामपाल, पूरब कोहली और शहाना गोस्वामी भी मुख्य किरदार में थे। पहली फिल्म में ही उनकी एक्टिंग को खूब सराहा गया और उन्होंने टेलीविजन इंडस्ट्री से बॉलीवुड में सफल पहचान बनाई।

अपनी डेब्यू फिल्म में शानदार परफॉर्मेंस के लिए अभिनेत्री को बेस्ट फीमेल डेब्यू के फिल्मफेयर पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया गया। इसके बाद अभिनेत्री ने अन्य कई फिल्मों में काम किया, जिसमें 'लाइफ पार्टनर', 'वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई', 'तेरी मेरी कहानी', 'बोल बच्चन', 'आई, मी और हम', 'अजहर', 'फॉरेंसिक' आदि शामिल हैं।

संघ प्रदेश श्रीडी भाजपा महामंत्री जिग्नेश पटेल और सरपंच हिताक्षी पटेल ने छोटे बच्चों के साथ पीएम मोदी का मनाया जन्मदिन

■ जिग्नेश पटेल एवं हिताक्षी पटेल ने अपने निवासस्थान पर दीपों से बनाया 76 हैप्पी बर्थ डे मोदी जीः बच्चों के साथ दीप प्रज्जवलित कर पीएम मोदी के अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 17 सितंबर। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव भाजपा महामंत्री जिग्नेश पटेल एवं घेलवाड ग्राम पंचायत सरपंच हिताक्षी पटेल ने अपने निवासस्थान पर कई कार्यक्रम आयोजित कर पीएम मोदी का जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर जिग्नेश पटेल एवं हिताक्षी पटेल ने छोटे बच्चों के साथ केक काटा। इसके साथ ही उन्होंने अपने निवासस्थान पर ही दीपों से 76 हैप्पी बर्थ डे मोदी जी बनाया था। छोटे बच्चों के साथ मिलकर दीप प्रज्जलित किया और पीएम मोदी के अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की। इस मौके पर जिग्नेश पटेल एवं हिताक्षी पटेल ने बच्चों को केक और चॉकलेट वितरित किया।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर पूर्व सांसद लालू पटेल एवं भाजपा नेत्री तरुणा पटेल ने किये सेवा के कार्य

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 17 सितंबर। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 76वें जन्मदिन पर दमण-दीव के पूर्व सांसद लालू पटेल एवं भाजपा नेत्री तरुणा पटेल ने सेवाकीय कार्य किये। पूर्व सांसद लालू पटेल एवं उनकी धर्मपत्नी तरुणा पटेल ने कंठेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना कर पीएम मोदी की लंबी आयु एवं अच्छे स्वास्थ्य के प्रार्थना की। इसके साथ ही उन्होंने जरूरतमंदों को राशन कीट वितरित किया। इसके अलावा पूर्व सांसद लालू पटेल एवं तरुणा पटेल ने गौशाला में जाकर गांयों को हरा चारा खिलाकर गौ सेवा की।

डीएमसी प्रेसिडेंट दीपिका टंडेल ने नाइट मार्केट में दुकानदारो के साथ केक काटकर पीएम मोदी का मनाया जन्मदिन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 17 सितंबर। डीएमसी प्रेसिडेंट दीपिका टंडेल ने नानी दमण के नाइट मार्केट में देर शाम दुकानदारों के साथ केक काटकर पीएम मोदी का जन्मदिन मनाया। इस अवसर पर पूर्व काउंसिलर चंद्रगिरी टंडेल और नाइट मार्केट के दुकानदार बडी संख्या में उपस्थित रहे।

दमण के वाडी फलिया में महाआरती और महाप्रसाद के साथ मनाया गया गणेश उत्सव एवं पीएम मोदी का जन्मदिन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 17 सितंबर। दमण के वाड़ी फलिया में श्री वाड़ी फलिया मित्र मंडल ग्रुप द्वारा गणेशोत्सव के पावन अवसर पर भक्तिभाव और उत्साह के साथ भव्य संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उत्सव की शुरुआत भगवान गणेश को समर्पित पारंपरिक और भक्तिमय आरती से हुई। धार्मिक अनुष्ठानों के बाद, समुदाय के लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को मनाने के लिए एकत्रित हुए, जहाँ केक काटा गया और उसके बाद सभी उपस्थित लोगों में महाप्रसाद का वितरण किया गया। इस आयोजन में काउंसिलर अस्पी दमणिया, पूर्व काउंसिलर जसविंदर कौर, अध्यक्ष राजेशभाई, मुकुलभाई, पंकिलभाई, केतनभाई और धवलभाई मुख्य रूप से शामिल रहे। वाड़ी फलिया की युवा पीढ़ी, परिवारों और वरिष्ठ नागरिकों सहित सभी वर्ग के निवासियों ने बड़ी संख्या में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सभी ने एकजुट होकर भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की और पूरे समाज के लिए सार्वभौमिक शांति, सद्भाव, उत्तम स्वास्थ्य, धन और समृद्धि की कामना की।

संघ प्रदेश श्रीडी भाजपा ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष हरीश पटेल और दमण जिला पंचायत उपाध्यक्षा रीना पटेल ने रोहननगर के गणेशोत्सव में पहुंचकर बप्पा का लिया आशीर्वाद

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 17 सितंबर। संघ प्रदेश श्रीडी भाजपा ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष हरीश पटेल और दमण जिला पंचायत उपाध्यक्षा रीना पटेल ने रोहननगर मित्र मंडल, केवडी फलिया के गणेश महोत्सव में पहुंचकर गणपति बप्पा का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर हरीश पटेल एवं रीना पटेल ने गणपति बप्पा की आरती उतारकर प्रदेश एवं देश की सुख शांति एवं खुशहाली की कामना की। इस मौके पर रोहननगर मित्र मंडल, केवडी फलिया के युवा, सोमनाथ मंडल अध्यक्ष राजेश शुक्ला सहित बडी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

श्रीनाथजी ग्रुप ऑफ कॉलेज में मनाया गया पीएम मोदी का जन्मदिन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 17 सितंबर। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर संघ प्रदेश श्रीडी भाजपा द्वारा श्रीनाथजी ग्रुप ऑफ कॉलेज में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया, दमण जिला भाजपा अध्यक्ष भरत पटेल, वरकुंड ग्राम पंचायत सरपंच विजय पटेल, श्रीनाथजी बीबीए, बीसीए एवं बीकॉम कॉलेज के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की उपस्थिति में केक काटकर पीएम मोदी का जन्मदिन मनाया गया। इस मौके पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष महेश आगरिया ने प्रधानमंत्री के जीवन एवं देश के विकास में किये गये कार्यों की जानकारी दी। विद्यार्थियों ने भी प्रधानमंत्री के जीवन के बारे में और देश के विकास में उनकी भूमिका के बारे में अपने विचार प्रस्तुत किये।

दमण के डॉ. केयूर देसाई राष्ट्रीय डेंटल एडवाइजरी काउंसिल के सदस्य मनोनीत, पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर

असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 17 सितंबर। दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के चिकित्सा क्षेत्र के लिए एक बेहद गौरवपूर्ण खबर है। दमण सरकारी अस्पताल के प्रसिद्ध डेंटल सर्जन डॉ. केयूर देसाई को भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। डॉ. केयूर देसाई को नेशनल डेंटल कमिशन अधिनियम 2023 की धारा 11 के तहत गठित डेंटल एडवाइजरी काउंसिल का सदस्य मनोनीत किया गया है। मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार डॉ. केयूर देसाई इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय परिषद में केंद्र शासित प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव का प्रतिनिधित्व करेंगे। शुरुआत में 31 अगस्त 2026 के आदेश में इसे दमण और दीव के रूप में दर्शाया गया था, जिसे मंत्रालय ने 15 सितंबर 2026 को आंशिक संशोधन कर दोनों विंग दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के संयुक्त प्रतिनिधित्व के रूप में स्पष्ट किया है। इस प्रतिष्ठित परिषद में शामिल होने पर डॉ. केयूर देसाई ने खुशी जाहिर की और इसे एक बड़ी जिम्मेदारी बताया। उन्होंने कहा है कि, राष्ट्रीय स्तर पर अपने केंद्र शासित प्रदेश और डेंटल समुदाय का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है। मैं हमारे क्षेत्र में डेंटल केयर और स्वास्थ्य सेवाओं के विकास में सकारात्मक योगदान देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूँ। उन्होंने इस सफर में लगातार मार्गदर्शन और सहयोग देने के लिए अपने सभी वरिष्ठों, सहकर्मियों और शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया है। इस गौरवशाली उपलब्धि पर स्थानीय प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और क्षेत्र के नागरिकों ने डॉ. केयूर देसाई को बधाई दी है। यह नियुक्ति क्षेत्र के युवाओं और स्वास्थ्य कर्मियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

दमण कोस्टगार्ड देवका बीच पर 19 सितंबर को चलाएगा महा-सफाई अभियान

असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 17 सितंबर। तटीय स्वच्छता, समुद्री जीवों के संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए इंडियन कोस्टगार्ड के समन्वय में दमण के प्रसिद्ध देवका बीच स्थित 'नमो पथ' पर 19 सितंबर को दमण में तटीय स्वच्छता अभियान का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष अभियान में केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न एजेंसियां, कॉर्पोरेट सेक्टर और कई गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) मिलकर हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 07:00 बजे होगी। इस अभियान में पर्यावरण प्रेमियों, छात्रों और स्थानीय नागरिकों सहित लगभग 1,000 वॉलंटियर्स के भाग लेने की उम्मीद है। इंडियन कोस्ट गार्ड के अधिकारियों के अनुसार, इस अभियान का मुख्य उद्देश्य समुद्र तटों को प्लास्टिक और अन्य कचरे से मुक्त करना है। इस महा-सफाई अभियान से एक मिसाल बनाने कोशिश की जा रही है कि कैसे सरकारी विभाग, प्राइवेट सेक्टर और आम जनता मिलकर पर्यावरण संरक्षण के लिए एक मंच पर आ सकते हैं। प्रशासन ने सभी स्थानीय नागरिकों और युवाओं से अपील की है कि वे भारी संख्या में इस अभियान से जुड़ें और दमण के तटों को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में अपना बहुमूल्य योगदान दें।

डाभेल सरपंच हेमाक्षी पटेल ने पंचायत में 51 दीप प्रज्जवलित कर मनाया प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 17 सितंबर। डाभेल ग्राम पंचायत में आज 51 दीप प्रज्जवलित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी का जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर डाभेल ग्राम पंचायत की सरपंच हेमाक्षी कनु पटेल, जिला पंचायत सदस्य तोरल पटेल तथा ग्राम पंचायत सदस्य करिश्मा पटेल उपस्थित रहकर दीप प्रज्जवलित किया। इस अवसर पर सभी जनप्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं प्रेषित कीं तथा देश की प्रगति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की।

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)